साल 7 आपके साथ
सामाजिक गतिविधियों का लेखा जोखा
सबसे पहले सबसे तेज

मासिक
कुमावत इंडिया
कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com
Website : www.kumawatindiapatrika.in

वर्ष-8 | अंक :3 अक्टूबर-2024 पृष्ठ-32 मूल्य : ₹ 20.00

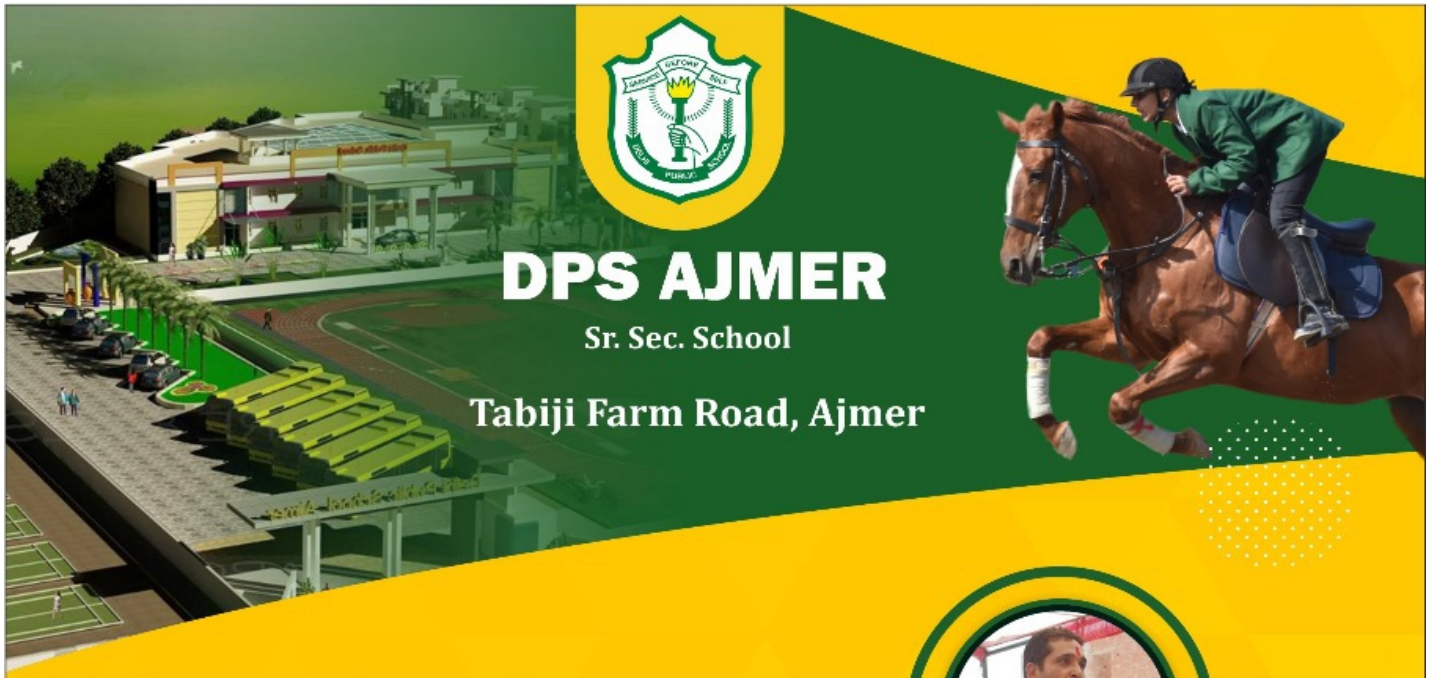

DPS AJMER

Sr. Sec. School

Tabiji Farm Road, Ajmer

ESTABLISHING

The Right Environment

We believe in building a modern culture using both traditional & next-generation tools. So, your child's natural talents can blossom.

SHASHI PAL KUMAWAT
Chairman

Our Activities

Archery & International
Level Shooting Range

Swimming Pool
"DPS Wave Pulse"

Horse Riding Club
Won Laurels at the National Level

Skating Rink

Karate Club
We have won Karate Championship at District, State & National Level.

Art & Craft

Tabiji Farm Road, Near D.D. Puram, Beawar Road, Ajmer

Web: www.dpsajmer.in E-Mail: info@dpsajmer.in

कुमावत प्रगति ट्रस्ट

पता : एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018

संरक्षक	:	जयकिशन सोकिल	**मो. 9829125428**
अध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट	**मो. 9887440666**
उपाध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)	**मो. 9414074376**
सचिव	:	श्रीमती भारती तोंदवाल	**मो. 9414810584**
कोषाध्यक्ष	:	लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल	**मो. 9549656438**
सदस्य ट्रस्टी	:	सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल)	**मो. 9829056063**
		रमेश कुमावत (गेदर)	**मो. 9414554322**
		चेतन बालोदिया	**मो. 9414052736**
		मोहन लाल कुमावत	**मो. 9887557425**
मुख्य सलाहकार	:	सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा)	**मो. 9414994006**
सलाहकार	:	गिरधारी लाल सिंघनवाल	**मो. 9414263429**

सम्पादक मण्डल : रमेश चन्द कुमावत (गैदर) सम्पादक -9414554322, **सह-सम्पादक :** रमेश तोंदवाल 9460870125 एवं प्रिया मारवाल 9408093778 तथा मनीष कुमावत 9660702083, रवि कुमावत 9829600411, लक्ष्मीनारायण सिरस्वा 9829791846, उर्वशी बालोदिया 9351680888, **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

व्यवस्थापक मण्डल : महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496, अशोक कुमावत -9352070394, श्रीमती शशि कला बालोदिया, मुकेश कारगवाल 9828606056 व राजसिंह बधानिया 9414238799 **उप-कोषाध्यक्ष :** खेमचंद खड़गटा 9829140629 **विधि सलाहकार :** राकेश कुमावत एडवोकेट 9829152561 विशेष आमंत्रित सदस्य : मनोज सिरस्वा।

पत्रिका सहयोगी :

छत्तीसगढ़ : रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397 दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580 सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444 वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299 मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188 जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301 कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402 सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657 उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044,** जगदीश मामोडिया **मो. 9024805687 ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493,** रवि बेडवाल **मो. 8290303003 बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957 सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812 इंदौर :** नेमीचंद कारवाल **मो. 9993998645 किशनगढ़ :** प्रभुदयाल तुनगरिया **9680931428**

प्रोसेसिंग व मुद्रक : राज ब्लॉक्स, 22 गोदाम, जयपुर

सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ठ संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-650

विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700

नोट 1 : संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ठ संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

नोट 2. 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385

यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 9549656438 पर रसीद प्रेषित करें।

स्वत्वाधिकार : कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक सी.एम. कुमावत द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018 से प्रकाशित, सम्पादक रमेश चंद कुमावत।

सम्पादकीय

सामान्यत: माना जाता है कि कुमावत समाज शांत, ईमानदार, मेहनती और कर्तव्यनिष्ठ है। अर्थात सर्वसमाज में कुमावत समाज की छवि अच्छी है। पर हाल ही में अखबारों में छपी कुछ घटनाओं ने समाज को शर्मसार कर दिया, इनमें सम्मिलित है: एक पड़ौसी द्वारा गेट को लेकर पड़ौसी की हत्या करवा देना, जयपुर कोर्ट रूम के बाहर जीजा द्वारा साले से मारपीट व गला दबाना, सीकर में विवाहिता की दहेज के लिए हत्या एवं चुपचाप दाह संस्कार करना आदि। लालच एवं स्वार्थ व्यक्ति को अपराध की ओर ले जाता है। ऐसे लोग नहीं सोचते कि पकड़े जाने पर परिवार कलंकित तो होगा ही साथ में सजा एवं कारावास से जीवन बर्बाद हो जाएगा। अपराध प्रवृत्ति सामाजिक प्रदूषण है जो न जाने कहां से आ रहा है। जरूरत है सचेत, सावधान तथा संयमित रहने की। शिक्षा एवं संस्कार से सुधार एवं विकास रूपी गंगा का प्रवाह होता है। इसलिए माता-पिता विशेष जिम्मेदारी निभाएं एवं नई पीढ़ी को संस्कारवान बनाये। विकासोन्मुखी सोच ही परिवार तथा समाज को आगे ले जाने में समर्थ है।

हमारे सामाजिक संगठनों द्वारा समाज में व्याप्त कुरीतियों व बुराइयों को इंगित कर उनके निवारण का उपाय करने पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। दहेज रूपी कुरीति का अब पूर्ण निराकरण करा सके तो समाज को राहत मिलेगी और जब दहेज को सामाजिक स्वीकार्यता नहीं होगी तो किसी विवाहिता की जान पर खतरा नहीं मंडरायेगा। हमें लड़कियों को आत्मनिर्भर बनाने पर ध्यान देना चाहिए।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका का अगस्त-सितम्बर 2024 का अंक **खेल विशेषांक** के रूप में प्रकाशित हुआ, जिसमें कुमावत समाज की 125 खेल प्रतिभाओं का विवरण प्रकाशित किया गया, इस कदम की सभी ने प्रशंसा की वहीं कुछ लोग ऐसे भी थे जिन्होंने सोशल मीडिया पर इन खेलों व प्रतिभाओं पर अपने अधूरे ज्ञान के कारण प्रश्न चिह्न लगाकर दुष्प्रचार करने का अपवित्र कार्य किया। उन्हें समाजहित में सोचना चाहिये न कि नकारात्मक प्रचार करने में अपनी ऊर्जा बर्बाद करें।

इस बार दीपावली 31 अक्टूबर को मनाए या 1 नवम्बर को इस पर विद्वानों में भी संशय है। पर जब भी मनाएं हंसी-खुशी मनाएं। मिठाइयों व मावें में मिलावट की सम्भावना त्यौंहारों पर ज्यादा रहती है, हो सकें तो घर पर ही देशी मिठाइयां बनाएं व पूजा करें। ग्रीन पटाखों का प्रयोग हो तो अच्छा है तथा कानफोडू पटाखे नहीं चलाए क्योंकि ये बूढ़े, बच्चे व बीमार तथा पशु-पक्षियों को परेशानी में डालते हैं। दीपावली के आसपास मौसम में बदलाव होता है तथा पटाखों से प्रदूषण होता है इससे बीमार होने की सम्भावना रहती है। अत: सावधान रहें और इससे बचें।

आप सभी सम्मानीय पाठकों को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं।

- रमेश कुमावत (गैदर)

हमारी वेवबसाइट www.kumawatindiapatrika.in पर आप 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के पिछले अंक व अन्य विवरण देख सकते हैं।

सम्पादकीय	3
खेल विशेषांक में सम्मिलित होने से शेष रहे खिलाड़ी	4
पायल कुमावत : ताईक्वांडो	
गुंजन कुमावत : हॉकी	
'कुमावत इंडिया' पत्रिका के 7 वर्ष पूर्ण होने पर खेल विशेषांक का विमोचन व सम्मान समारोह	5
'कुमावत इंडिया' पत्रिका के 7 वर्ष पूर्ण होने पर कार्यक्रम की झलकियां	6-8
मालवीय नगर जयपुर के कुमावत समाज भवन में हनुमंत कथा आयोजित	9
सृष्टी आर्ट ग्रुप की चित्र प्रदर्शनी	9
32वां मास्टर श्री भौंरीलाल वर्मा स्मृति व्याख्यान एवं प्रतिभा सम्मान समारोह	9
जादूगर आंचल छाई महाराष्ट्र में	10
धार्मिक और हिंदुत्व के परिचायक लिफ्ट डांडिया रास नाइट 2024	10
रामलीला कलाकारों का सम्मान किया गया	10
कुमावत समाज ने 175 प्रतिभाओं का सम्मान किया	11
जयश्री एवं युक्तिका का एसजीएफआई नेशनल में चयन	11
भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा उत्तरी पूर्वी जोन में राजस्थान का प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित	11
शरद महोत्सव रास घूमर आयोजित	12
सुरीलें नगमों से कलाकारों ने दी स्वरांजलि	12
ब्यावर का 23वां सामूहिक विवाह सम्मेलन 1 मार्च को	12
सी-स्कीम; 13 प्रशिक्षु आरएएस को किया सम्मानित	12
शादी की सही उम्र	13
रेलवे यात्रा में वरिष्ठ नागरिकों के लिए रियायत संबंधी जानकारी	13
एक दीपक प्रकृति के नाम	14
दिवाली का धन, निर्मल चित स्वस्थ तन	14
नरक चतुर्दशी	15
प्रदीप कुमावत डिप्टी सेक्रेटरी नियुक्त	15
दीपोत्सव और सामाजिक उल्लास	16
श्री नवरतन कुमावत (राजोरिया)	17
पाठक प्रतिक्रिया	17
सर्दियों के बाल रोगों की पहचान करें और उनसे बचिए	18
ज्ञान और कर्म	19
जयेश बने पायलेट	19
झुर्रियां हो या सफेद बाल अनुभव का खजाना है	20
जीवन में कैसे मिले 'खुशी'	20
दीपावली पर दीपोत्सव और उपाय	21
विशिष्ट संरक्षक सूची व श्रद्धांजलि	22
विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची	23
पत्रिका नहीं मिलने पर सम्पर्क करें	24
हेरम्ब कोशी नेशनल लेवल इंटर स्कूल कम्पीटीशन	25
पवन-अरुणा कुमावत प्रथम रहे	25
डॉ. पवन कुमार बासनीवाल सम्मानित	25
लविन कुमावत का उत्कृष्ट प्रदर्शन	25
मोनिका कुमावत का अन्तर्राष्ट्रीय लाठी प्रतियोगिता में चयन	25
विज्ञापन	26-30

खेल विशेषांक में सम्मिलित होने से शेष रहे खिलाड़ी

ताईक्वांडो

पायल कुमावत

गुढ़ा बेरसल, दूदू (हाल एकता नगर, धावास, जयपुर) के श्रीमती सावित्री-श्री अमरचन्द कुमावत की पुत्री पायल कुमावत माइक्वांडो की खिलाड़ी हैं। इन्होंने न केवल जयपुर जिला स्तर में गोल्ड मैडल जीता बल्कि राज्य स्तर पर बीकानेर में भी गोल्ड मैडल जीत कर अपनी छाप छोड़ी है। इन्होंने महाराणा प्रताप ओपन नेशनल ताइक्वांडो चैम्पियनशिप जयपुर में गोल्ड मैडल जीता तथा ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी ताइक्वांडो चैम्पियनशिप झुंझुनूं में भी भाग लेकर कुमावत समाज को गौरवान्वित किया है।

हॉकी

गुंजन कुमावत

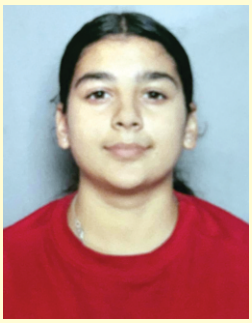

गुंजन कुमावत, उदयपुर पुत्री श्रीमती ललिता श्री किशन गोठवाल ने CBSC इंटर स्कूल हॉकी टूर्नामेंट 2018-19 व 2019-20 में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इन्होंने वर्ष 2022-23 में स्टेट लेवल हॉकी चैम्पियनशिप में भाग लिया तथा वर्ष 2023-24 में गुंजन कुमावत स्टेट लेवल हॉकी टीम की कप्तान रही।

इसके अलावा गुंजन कुमावत वर्ष 2015-16 में जिला स्तर पर जूडो तथा वर्ष 2017 में ऑल इण्डिया स्पीड रोलर स्केटिंग में भाग ले चुकी हैं।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से सभी पाठकों को
दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

'कुमावत इंडिया' पत्रिका के 7 वर्ष पूर्ण होने पर

खेल विशेषांक का विमोचन व सम्मान समारोह

8 सितम्बर, 2024 जयपुर। होटल यश रेजीडेन्सी, खातीपुरा चौराहा, जयपुर में कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक मासिक पत्रिका 'कुमावत इंडिया' के प्रकाशन के 7 वर्ष पूरे होने पर एक समारोह का आयोजन किया गया। पधारे हुए सभी सम्मानीय लोगों का नन्हीं-मुन्नी बालिकाओं व पत्रिका के प्रतिनिधियों ने तिलक लगाकार स्वागत किया। समारोह के मुख्य अतिथि माननीय श्री प्रहलाद स्वरूप टांक (माटी कला बोर्ड अध्यक्ष) थे, विशिष्ट अतिथि श्री डूंगर राम गैदर (विधायक सूरतगढ़), श्री सुरेन्द्र लाम्बा (सचिव राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी), श्री राम निवास कुमावत (पूर्व एम.डी. जयपुर डिस्कॉम), डॉ. अनूप कुमावत (विभागाध्यक्ष, लेखाशास्त्र एवं व्यावसायिक सांख्यिकी विभाग राज. विश्वविद्यालय) रामकुमार टांक (RAS) थे तथा समारोह की अध्यक्षता श्री सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल) ने की। समारोह आदरणीय संत श्री मुरलीमनोहर 'अकिंचन' के पावन सानिध्य में आशीर्वचन से हुआ। सम्पादक व ट्रस्टी रमेश गैदर ने 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की 7 वर्ष की जीवन यात्रा की रिपोर्ट पढ़कर सुनाई। **माननीय अतिथियों के कर कमलों से 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के खेल विशेषांक का विमोचन हुआ।** इस अंक में 125 कुमावत खेल प्रतिभाओं की उपलब्धियों का विवरण रंगीन पृष्ठों में प्रकाशित किया गया है, ऐसा समाज की पत्रकारिता के इतिहास में पहली बार हुआ है। समारोह में 26 खिलाड़ी भी पधारे, जिनकी उपलब्धियों की जानकारी देते हुए अतिथियों के हाथों माला पहनाकर, दुपट्टा ओढ़ाकर व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित कराया गया। इनमें अन्तर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर पदक प्राप्त खिलाड़ी भी सम्मिलित थे।

समारोह में सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि, प्रबुद्धजन, गणमान्य व्यक्ति तथा 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के विज्ञापनदाता भी पधारे, उन सभी का स्वागत माला पहनाकर व दुपट्टा ओढ़ाकर किया गया।

इस अवसर पर **श्री डूंगरराम गेदर** ने कहा कि हम सभी राजनैतिक नेता तो बनना चाहते हैं पर जमीन पर सक्रिय रूप से काम करने को तैयार नहीं। जब तक एक कार्यकर्ता के रूप में काम नहीं करेंगे तब तक न तो पहचान बनेगी न अनुभव आएगा। इसी तरह प्रशासन में उच्च पद पर जाना हो तो कड़ी मेहनत करनी होगी। समाज तब ही आगे बढ़ेगा जब राजनीति व प्रशासन में हमारे लोग होंगे। **श्री प्रहलाद स्वरूप टांक** ने कहा कि शिक्षा व खेलों में हम तभी आगे बढ़ पायेंगे जब अभिभावक अपने बच्चों का इस दिशा में उत्साहवर्धन करेंगे, बच्चों को उनकी रुचि अनुरूप खेलों में बढने दें। **श्री अनूप कुमावत** ने खेल विशेषांक की प्रशंसा करते हुए कहा कि कुमावत 'कुमावत इंडिया' पत्रिका ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने का अनूठा कार्य किया है। इस पत्रिका ने 7 वर्षों में बच्चों, युवाओं और समाज को प्रेरित करने का काम किया है। **श्री रामकुमार टांक RAS** ने कहा कि साहित्य के क्षेत्र में पत्र-पत्रिकाएं अहम भूमिका अदा करती हैं, इनके सदस्य बने। उन्होंने आगे कहा कि समाज के युवा राजकीय सेवाओं में आकर समाज के लोगों की मदद करें इसलिए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी अच्छी तरह करें। इन सभी का कथन सत्य का आईना है तथा युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। आज कुछ विश्नोई, सैनी, जाट, कुम्हार जैसे समाजों ने प्रतिवर्ष न्यूनतम 2 IAS बनाने के लिए संकल्प लिया है, इसके लिए समाज की सर्वोच्च संस्था उनके रहने, खाने की, कोचिंग की व्यवस्था समाज की संस्था के स्तर पर कर रही है। ये समाज राजनीति में नेता बनाने के लिए भी ऐसा ही संकल्प ले चुके हैं। भला कुमावत समाज इस दिशा में कब सोचेगा?

श्री सी.एम. कुमावत ने अध्यक्षीय भाषण देते हुए पत्रिका के 7 वर्षों में आई कठिनाइयों की ओर ध्यान आकर्षित किया तथा विज्ञापन देकर सहयोग करने का निवेदन किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती भारती तोंदवाल ने किया तथा इसमें सहयोग श्रीमती प्रिया मारवाल ने किया। कार्यक्रम के समापन पश्चात पधारे हुए सभी गणमान्य समाजजनों ने लंच लिया। श्री पवन कुमावत वर्ल्ड चैम्पियन, श्री दिनेश कुमावत तीरन्दाजी कोच आदि खिलाड़ियों ने भी 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के इस खेल विशेषांक तथा समारोह की प्रशंसा की।

HOTEL
YASH REGENCY

SWAGAT

मालवीय नगर जयपुर के कुमावत समाज भवन में हनुमंत कथा आयोजित

27-29 सितम्बर, 2024 तक कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर, जयपुर के तत्वावधान में आदरणीय संत श्री मुरली मनोहर 'अकिंचन' की मधुर वाणी में हनुमंत कथा का रस प्रवाह हुआ जिसमें कुमावत समाजजनों के अलावा आसपास के सर्वसमाज के लोगों ने भी कथा का आनन्द लिया। ज्ञातव्य रहे कि हरिनाम संकीर्तन परिवार के संयोजन में डी.डी. ग्रुप के द्वारा 108 हनुमंत कथा कराने का संकल्प लिया गया है, इस कड़ी

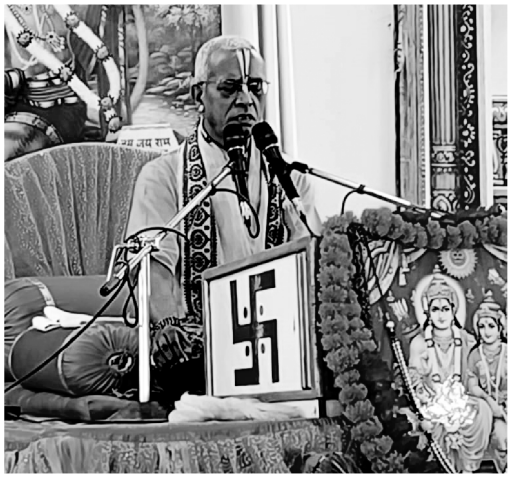

में मालवीय नगर के कुमावत समाज भवन में यह षष्टम कथा हुई। 28 तारीख को सामुहिक हनुमान चालिसा पाठ में भी बड़ी तादाद में लोगों ने भाग लिया। कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर, जयपुर का यह अच्छा कदम है, इससे इस क्षेत्र के लोग लाभान्वित हुए। इस भवन में आध्यात्मिक आयोजन कराने की सभी ने प्रशंसा की और कहा कि यहां ऐसे आयोजन होते रहने चाहिए।

सृष्टी आर्ट ग्रुप की चित्र प्रदर्शनी

जयपुर। 4-7 अक्टूबर, 2024 जवाहर कला केन्द्र की सुकृति आर्ट गैलेरे में सृष्टी आर्ट ग्रुप की चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन उप मुख्यमंत्री माननीया दीया कुमारी ने किया। इसमें 43 पेंटिंग्स व 5 स्कल्पचर का प्रदर्शन हुआ जो ग्रुप के 18 आर्टिस्ट व 3 अथिति आर्टिस्ट के थे। इस ग्रुप के अध्यक्ष **श्री नाथूलाल वर्मा** थे, इन्होंने अपनी कलाकृतियों में नारी सशक्तिकरण के वर्तमान स्वरूप को पारम्परिक लघुचित्र

शैली में अभिव्यक्त किया। प्रदर्शनी में **अर्जुन लाल वर्मा** की मूर्तियों में नारी के वात्सल्य को प्रस्तुत किया। **आर्टिस्ट हेमलता कुमावत** ने राजस्थानी संस्कृति को चित्रित किया। **मूर्तिकार लक्ष्मी नारायण नागा** ने दैनिक नारी जीवन, मानवीय और सामाजिक संघर्षों की छवि को धातु स्कल्पचर में पेश किया। प्रदर्शनी में स्व. कृपाल सिंह शेखावत की आकर्षक कलाकृति के साथ अन्य कलाकारों की कृतियां भी थी।

32वां मास्टर श्री भौंरीलाल वर्मा स्मृति व्याख्यान एवं प्रतिभा सम्मान समारोह सम्पन्न

शिक्षाविद् मास्टर श्री भौंरीलाल वर्मा की 110वीं जयंति पर 15 सितम्बर, 2024 को व्याख्यान एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन मालवीयनगर, जयपुर के कुमावत समाज भवन में हुआ। मुख्य अतिथि, सुलभ टेक्नीकल सर्विसेज प्रा.लि. के श्री मंगलचन्द कुमावत तथा अध्यक्ष से.नि. रसद अधिकारी श्री सुभाष मारोठिया थे इन्होंने तथा मुख्य वक्ता स्वामी श्री गिरिजानन्द जी महाराज ने मास्टर जी के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की। अतिथियों के स्वागत के साथ उनका संक्षिप्त परिचय भी दिया गया। श्री धीरज वर्मा ने ट्रस्ट की गतिविधियों तथा मास्टर जी का जीवन परिचय विस्तार से दिया। मुख्य वक्ता स्वामी श्री गिरिजानंदजी ने '**श्रीमद्भगवतगीता-मानव जीवन प्रबन्ध**' विषय पर व्याख्यान दिया।

विशिष्ट अतिथि श्री अमरनाथ जी महाराज जिन्होंने 100 करोड़ सनातनियों को एकजुट करके हनुमान चालीसा पाठ का अभियान चला रखा है, ने व्यक्ति, समाज व राष्ट्र की खुशहाली के लिए हनुमान चालीसा का महत्व बताकर हनुमान चालीसा का पाठ कराया।

ट्रस्ट ने माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक परीक्षाओं में 90 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभावान 16 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति दी तथा श्रीमती रीना कुमावत को कानून विषय में पीएचडी करने का सम्मानित किया। ट्रस्ट ने वयोवृद्ध संस्थापक ट्रस्टी श्री मगन लाल राजोरिया एवं श्री हरिश कुमार वर्मा तथा भामाशाह श्री राम कुमार वर्मा का भी सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन श्री धीरज वर्मा ने किया।

जादूगर आंचल छाई महाराष्ट्र में

पिछले करीब अढ़ाई महीनों से राजस्थान की अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त जादूगर आंचल महाराष्ट्र के पूना एवं आसपास के शहरों में अपनी कला से धूम मचाए हुए है। इसी क्रम में 5 अक्टूबर को श्री भैरवनाथ शिक्षण प्रसारक मंडल ने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के लिए लांडेवाडी, महाराष्ट्र में जादूगर आंचल के एक ही दिन में शानदार 2 शो आयोजित किए। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों के अलावा उनके माता-पिता एवं आसपास के प्रतिष्ठित गणमान्य नागरिकों की भी उपस्थिति रही। लगातार 15 वर्षों तक लोकसभा में **सांसद रहे प्रसिद्ध राजनेता, उद्योगपति एवं समाजसेवी संस्थान के चेयरमैन श्रीमान शिवाजी आढळराव पाटिल ने आंचल का पूरा कार्यक्रम देखने के बाद शानदार तरीके से स्वागत करते हुए कार्यक्रम की भूरी-भूरी प्रशंसा की। उन्हीं के शब्दों में** -

''आंचल जी, आज मैं बहुत खुश हूं। मेरे सारे विद्यार्थी, सारे बच्चे एवं उनके पेरेंट्स सभी को यह प्रोग्राम बहुत ही अच्छा लगा है। मैंने मेरे जीवन में करीब 40 साल बाद कोई जादू का शो देखा है। 40 साल पहले मैंने मंचर में जादूगर सरकार साहब का जादू देखा था, उसके बाद मुझे आज मौका मिला है। आपके बारे में मैं कई वर्षों से सुनता आ रहा हूं। मुझे गर्व है कि आप भारत का नाम, राजस्थान का नाम रोशन कर रही है। हमारे यहां के सभी लोगों को आपका कार्यक्रम बहुत ही अच्छा लगा है।''

कार्यक्रम के पश्चात माननीय शिवाजी राव पाटिल जी ने आंचल को अपने निवास स्थान पर आमंत्रित किया जहां पर आंचल की जादुई यात्रा एवं पाटिल साहब की सफलता से जुड़े अनेक प्रसंगों पर विस्तृत चर्चा हुई। अंत में इस कला के संरक्षण एवं संवर्धन में अपना पूरा सहयोग देने का वादा किया।

- **गिरधारी कुमावत,** डायरेक्टर, जादूगर आंचल मैजिक शो, पूना

धार्मिक और हिंदुत्व के परिचायक लिफ्ट डांडिया रास नाइट 2024 में उमडा जनसैलाब

जयपुर मानसरोवर विस्तार के श्रीराधा बाग में लोटस इंडिया फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा डांडिया नाइट 2024 सीजन 3 का आयोजन हुआ, जिसकी शुरुआत जयपुर सांसद मंजू शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित करके की। इस कार्यक्रम में कई विशिष्ट गणमान्य अतिथि शामिल रहे।

लोटस इंडिया फाउंडेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष संजीव वर्मा ने बताया कि यह संस्था धार्मिक और समाज सेवा से संबंधित कार्य करती है और हजारों श्रद्धालुओं के साथ इस आयोजन को जयपुर की जनता के बीच मनाया गया और सराहा गया। श्री अमरनाथ जी महाराज की उपस्थिति में सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ हुआ जिससे पूरा कार्यक्रम राममय हो गया और इस अवसर पर संजीव वर्मा द्वारा निर्मित फिल्म ''सलोनी'' बाबा श्याम का आशीर्वाद'' फिल्म का मुहूर्त भी किया गया ।

श्री कुमावत क्षत्रिय सामुहिक विवाह समिति , जयपुर द्वारा रविवार, 10 नवम्बर 2024 को **दीपावली स्नेह मिलन समारोह एवं विवाह योग्य युवक/युवतियों हेतु परिचय सम्मेलन** का आयोजन बाबुल पैराडाइज, मैट्रो स्टेशन के पास, मानसरोवर, जयपुर में किया जा रहा है। उक्त तिथि से पूर्व फार्म भरने वालों को उपस्थित रहने पर ही सम्मिलित किया जा सकेगा।

फार्म हेतु निम्न से सम्पर्क किया जा सकता है: 1. अध्यक्ष- रूड़मल कारगवाल (पिन्नु जी), सोडाला 9414600145 2.महामंत्री, कमलेश कुमार मारोठिया, गोविन्दपुरा 9314503068 3.कोषाध्यक्ष: रामनारायण बबेरीवाल, सांगानेर 9982855000

रामलीला कलाकारों का सम्मान किया गया

चौमूं रामलीला मंडल द्वारा आयोजित रामलीला में श्री कुमावत समाज विकास संस्थान चौमूं द्वारा इसमें भागीदारी निभाने वाले कलाकारों का सम्मान स्वरूप प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर स्वागत किया गया। चौमूं की चौपड़ में कई वर्षों से रामलीला का आयोजन किया जाता रहा है। कुमावत समाज विकास संस्थान के द्वारा रामलीला में भाग ले रहे कलाकारों का सम्मान किया गया इस अवसर पर पार्षद महेंद्र कुमावत, द्वारका प्रसाद कोलूगरिया, अजीत बारवाल, चेतन धुंधारिया मौजूद रहे एवं रामलीला मंडल को सम्मानित किया एवं सहयोग राशि 5100 भेंट की।

कुमावत समाज ने 175 प्रतिभाओं का सम्मान किया

त्रिवेणीधाम, साईवाड़ में क्षत्रिय कुमावत समाज द्वारा तृतीय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें समाज के सात जिलों जयपुर, जयपुर ग्रामीण, कोटपूतली-बहरोड़, अलवर, नीमकाथाना, सीकर व झुंझुनूं जिले की प्रतिभाओं ने भाग लिया। इस समारोह में कुमावत समाज के कक्षा 10 के 75 बच्चों, कक्षा 12 के 65 बच्चों का सम्मान किया गया तथा 35 जिन्होंने राज्य सरकार व केंद्र सरकार तथा निजी क्षेत्र में अच्छा पद प्राप्त किया है, उनका भी सम्मान किया गया। जिन्होंने समाज के हित के लिए में समाज को आगे बढ़ाने के लिए का कार्य हैं, उनका भी समाज द्वारा सम्मान किया गया। सभी प्रतिभाओं को समाज द्वारा प्रतीक चिन्ह व समाज का दुपट्टा, मेडल व भगवान श्री राम की तस्वीर प्रदान की गई और सभी को साफा पहनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कृष्ण कुमार धुंधारिया व अति विशिष्ट अतिथि के रूप में आशीष धनकड़ थे। इस कार्यक्रम में बाहर से आए हुए सभी समाज बंधुओं को समाज की तरफ से भोजन व नाश्ते की व्यवस्था भी की गई। क्षत्रिय कुमावत समाज सामूहिक विवाह एवं विकास समिति त्रिवेणी धाम साईवाड़ के अध्यक्ष अशोक कुमावत मारवाड़ मुख्य संरक्षक रामकिशोर घोडेला, कोषाध्यक्ष मोहनलाल कलाकार, महामंत्री मनफूल कुमावत, रामस्वरूप ब्याडवाल सरपंच, सचिव जयप्रकाश तुंदवाल, प्रचार मंत्री अशोक मारोठिया, प्रवक्ता जगदीश मारोठिया आदि कार्यकारिणी के पदाधिकारी व कुमावत समाज के गणमान्य लोग की उपस्थिति रही।

जयश्री एवं युक्तिका का एसजीएफआई नेशनल में चयन

मदनगंज किशनगढ़। 68वीं राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता 2024-25 का आयोजन 17 से 23 सितंबर को डिवाइन इंटरनेशनल स्कूल झुंझुनू में हुई। जयश्री कुमावत ने 42 किलो स्वर्ण पदक, युक्तिका कुमावत 49 किलो में उत्तम प्रदर्शन रहा। जयश्री कुमावत और युक्तिका कुमावत का चयन एसजीएफआई नेशनल के लिए भी हुआ। युक्तिका ने जोधपुर ग्रामीण, श्रीगंगानगर, बीकानेर, झुंझुनू आदि जिलों को 2-0 से हराया और फाइनल में जोधपुर को भी 2-0 से मात देकर विजयी हुई और स्वर्ण पदक प्राप्त किया। जयश्री ने भी उदयपुर, जोधपुर, बीकानेर, भरतपुर, झुंझुनू को 2-0 से हराकर विजयी हुई और स्वर्ण पदक प्राप्त किया। युक्तिका कुमावत और जयश्री कुमावत का चयन हाल ही में गुजरात में हुए खेलो इंडिया फेज-1 के लिए भी हुआ था। इसके ट्रायल अलवर में हुए थे जिसमें जयश्री कुमावत ने फाइनल में हिमांशी यादव को नॉकआउट कर अपने नाम गोल्ड मेडल किया और युक्तिका कुमावत ने भी सिल्वर मेडल जीता ओर इन तीनों का चयन खेलों इंडिया वीमेन लीग 2 फेस-1 के लिए हुआ था।

भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा उत्तरी पूर्वी जोन में राजस्थान का प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

जयपुर। भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा उत्तरी-पूर्वी जोन राजस्थान के तत्वावधान में कुमावत समाज प्रतिभा सम्मान समारोह गोविंदपुरा कुमावत समाज छात्रावास मैदान में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत, सांसद जयपुर ग्रामीण राव राजेंद्र सिंह, विधायक हवामहल बालमुकुंदाचार्य, स्थापत्य कला बोर्ड पूर्व अध्यक्ष मुकेश कुमावत, पूर्व विधायक फुलेरा निर्मल कुमावत, विधायक प्रत्याशी दांतारामगढ़ गजानंद कुमावत, योगी प्रहलादपुरी महाराज, अमरनाथ महाराज, पंचम नाथ महाराज थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा अध्यक्ष गौरी शंकर ने की। मंत्री जोराराम कुमावत ने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ संस्कारवान होना जरूरी है। समाज अच्छे संस्कारों और अच्छे कार्यों के लिए जाना जाता है। उन्होंने बच्चों को बड़े लक्ष्य और बड़ी सोच के साथ आगे बढ़ने संदेश दिया। उन्होंने समाज की उत्कृष्टता के लिए हमेशा पूरे समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया। समाज के लिए समर्पित भामाशाहों का भी आभार व्यक्त किया। पूर्व विधायक निर्मल कुमावत ने बच्चों के संस्कार पर विशेष जोर देने की बात कही। समाज की बालिकाओं द्वारा उठाए जा रहे गलत कदम पर चिंता जाहिर करते समाज के खतरा बताया। बोर्ड परीक्षाओं और अन्य क्षेत्र में उपलब्धि प्राप्त करने वाली 380 प्रतिभाओं का प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया। बोर्ड परीक्षा में 95 प्रतिशत से अधिक अंक वाली 40 प्रतिभाओं को ऑक्सफोर्ड शब्दकोश और भामाशाहों को श्रीमद्भगवद्गीता भेंट की गई।

शरद महोत्सव रास घूमर आयोजित

जयपुर। शरद पूर्णिमा पर श्री कुमावत क्षत्रिय महिला विकास संस्था, जयपुर द्वारा 'शरद महोत्सव, रास घूमर' का जयपुर में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि चेतन कुमावत, विशिष्ट अतिथि उम्मेद सिंह नांदीवाल तथा वरिष्ठ संरक्षिका उमा माचीवाल द्वारा दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवक-युवतियां, महिला, पुरुष व बच्चें रंग-बिरंगे परिधानों में नजर आये। कार्यक्रम में आओ पधारो बाईसा.... व घूमर... जैसे गानों पर अपनी प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का मन मोह लिया। अध्यक्ष सुनीता नान्दीवाल ने कान्हा के संग रस रचे कृष्ण कान्हा प्रस्तुति दी। घूमर नृत्य शैली राजस्थान के कोने-कोने में किया जाता है।

राजस्थानी भाषा, लोक नृत्यों, साहित्य और संस्कारों की भारत में अलग पहचान है। किंतु आज तेज आवाज में फिल्मी गानों के साथ डांडिये ने घूमर को पीछे छोड़ दिया है। रास-घूमर का आयोजन करके श्री कुमावत क्षत्रिय महिला विकास संस्था ने इसे पुनर्जीवित करने का अनूठा प्रयास किया है, जो सराहनीय है।

सुरीलें नगमों से कलाकारों ने दी स्वरांजलि

जयपुर। जेएलएन मार्ग स्थित महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम में लता मंगेशकर को समर्पित संगीत संध्या 'लता विद म्यूजिक मैस्ट्रोज' का आयोजन किया गया, जिसमें शहर के 18 कलाकारों ने लता मंगेशकर के गाए हुए सुपरहिट एकल और युगल गीतों को अपनी आवाज में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में गायिका रश्मि बालोदिया ने 'कोई नहीं है फिर भी मुझको', 'शीशा हो या दिल हो' गीत गाकर

माहौल का संगीत के रंग में रंग दिया। वहीं, मोहन बालोदिया ने 'दर्दे दिल दर्दे जिगर', 'सावन का महीना' और सुरभि चन्दानी ने 'रोज शाम आती थी' की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में लता मंगेशकर के फिल्म फेयर अवॉर्ड से लेकर भारतरत्न तक के सफर के बारे में चर्चा भी हुई। वहीं, कलाकार प्रथम कुमावत ने कॉमेडी से ऑडियंस को खूब गुदगुदाया। कार्यक्रम में कला प्रेमियों का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।

ब्यावर का 23वां सामूहिक विवाह सम्मेलन 1 मार्च को

श्री कुमावत पंचायत सभा का 23वां सामूहिक विवाह सम्मेलन आगामी फुलेरा दूज, 1 मार्च, 2025 को रखा गया है। इस बार श्री देवकरण सारड़ीवाल को सामूहिक विवाह समिति का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। पंचायत अध्यक्ष नन्दकिशोर जलांधरा द्वारा इसकी घोषणा के बाद बिल्डिंग लेबर यूनियन अध्यक्ष ने पहला जोड़ा अपने परिवार का सम्मेलन में देने के साथ ही रु. 11000 सहयोग राशि देने की घोषणा की। महामंत्री रवि बेड़वाल ने ब्यावर समाज की परिचय पुस्तिका के शीघ्र प्रकाशन की जानकारी दी ताकि सभी परिवारों के बारे में तथ्यात्मक विवरण उपलब्ध होगा और इसे डिजिटल रूप में भी जारी किया जायेगा। आमसभा में रोशन मारवाल, दिनेश नराणिया, विरेन्द्र किरोड़ीवाल, पुरुषोत्तम सिरोड़िया, नरेन्द्र कारगवाल, गोपाल पारमवाल, विष्णु जालवाल सहित समाज के अनेक वरिष्ठ व युवा साथी मौजूद रहे।

भाई बहन की डूबने से मृत्यु

करजालिया ग्राम पंचायत के नारायणपुरा गांव में बहन प्रियंका कुमावत ने भाई रतन को डूबता देख खुद की जान की बाजी लगा दी, दोनों की डूबने से दु:खद मौत हो गयी।

सी-स्कीम; 13 प्रशिक्षु आरएएस को किया सम्मानित

जयपुर। सी-स्कीम स्थित एक होटल में कुमावत समाज के चयनित अभ्यर्थियों का सम्मान समारोह हुआ। संयोजक डॉ. ललित जालवाल ने बताया कि समारोह में समाज के 13 प्रशिक्षु आरएएस को सम्मानित किया गया। समारोह में पूर्व आरपीएससी अध्यक्ष आईपीएस महेंद्र कुमावत, शिक्षाविद आरडी वर्मा, लोकेश कुमावत, रितिक कुमावत एवं अन्य समाज बंधुओं ने शिरकत की।

श्री कुमावत बाल शिक्षा समिति, सोडाला, जयपुर के कुमावत पब्लिक स्कूल में नयी कम्प्यूटर क्लास का उद्घाटन हुआ। भामाशाहों का सहयोग रहा।

शादी की सही उम्र

नवजात शिशु बड़ा होता है और किशोरावस्था को प्राप्त करते-करते वह अपने अन्दर कई शारीरिक व मानसिक बदलाव देखता है और वयस्क होता है। लड़का हो या लड़की दोनों में यह प्रक्रिया हार्मोन्स के बदलाव के कारण होती है। हमारे देश में लड़के की 18 वर्ष व लड़की की 21 वर्ष उम्र वयस्क के रूप में मानी जाती है।

पुराने समय में अंधविश्वास के चलते मासिक धर्म से पूर्व ही कन्या के विवाह का प्रचलन था। इसे समाज एक कुरूति या बाल विवाह मानता है, जिस पर सरकारी रोक है।

धीरे-धीरे सामाजिक चेतना आई ओर विवाह की उम्र बढ़ती गई, शिक्षा व रोजगार के समन्वय में माता-पिता बच्चों के कैरियर पर ध्यान देने लगे।

भौतिकवादी संस्कृति जैसे-जैसे अपने पैर पसारने लगी लड़कियां भी रोजगारोन्मुख होने लगी और अब तो लड़की की पहचान उसका कैरियर ही बन गई।

आवश्यकता आविष्कार की जननी है-ये कहावत चरितार्थ हो गई क्योंकि सुख-सुविधा, ऐशों आराम की जिंदगी ने दोनों को कमाकर संसाधन जुटाने में लगा दिया और ये कमाई विवाह में बाधा के रूप में समाज के सामने मुंह बाए खड़ी हो गई।

अब लड़का या लड़की बालिग होने या परिपक्व होने के बावजूद अपना घर बसाने में काफी देरी करने लगे हैं उन्हें अपने भविष्य को लेकर चिंताएं सताने लगी हैं मनमाना स्ट्रेस उन्हें घेरे हुए है। माता-पिता भी मजबूरन ज्यादा दबाव नहीं डाल पाते। एक उम्र तक रिश्तों के सुझाव व प्रस्ताव आते रहते हैं उसके पश्चात वे भी बंद हो जाते हैं। परिणामस्वरूप मेट्रिमोनियल साइट्स पर जाना पड़ता है और जातीय बंधन भी दरकिनार करना पड़ता है।

बड़ी उम्र में शादी अक्सर बच्चों में सामंजस्यता नहीं बैठा पाती और इगो की समस्या से परिवार बिखरने की नौबत तक आ जाती है। सोशल मीडिया के चलते भी आधुनिकता का जामा ओढ़े हमारी छिन्न-भिन्न संस्कृति बढ़ती उम्र की शादी का एक कारण है यही नहीं महिलाओं में तो इस वजह से तथा बढ़ते स्ट्रेस से कई अंदरूनी शारीरिक विकृतियां आजकल आम बात हो गई हैं जिसकी वजह से उन्हें संतानोत्पत्ति में भी बाधा आती है और लम्बा इलाज लेना पड़ता है या फिर IVF तकनीक का सहारा लेना पड़ता है।

चूंकि हमारा शरीर प्रकृति के साथ चलता है इसमें समाहित पंचतत्व प्रकृति की ही देन हैं इनका संतुलन अत्यावश्यक है। अत: जिस तरह एक वृक्ष बीज से निकल कर पौधा व पेड़ का रूप लेता है और सही समय पर फूल व फल देता है ठीक उसी तरह मानव जीवन की भी कुछ प्रक्रियाएं हैं जो समय के अनुसार संपादित होती रहे तो घर, परिवार व समाज में जो भटकाव हम देख रहे हैं उससे बचा जा सकता है बशर्ते शादी की उम्र बहुत ज्यादा न हो अपने कैरिरयर के साथ अपने सामाजिक जीवन को भी महत्व दें तथा समाज को दूषित होने से बचाए। **-रमेश तोंदवाल**

रेलवे यात्रा में वरिष्ठ नागरिकों के लिए रियायत संबंधी जानकारी

1. पुरुष वरिष्ठ नागरिक आयु 60 वर्ष या उससे अधिक को छूट।
2. महिला वरिष्ठ नागरिक राहत आयु 58 या उससे अधिक पर छूट।
3. पुरुषों के लिए रेल यात्री किराये में 40% की छूट।
4. महिलाओं को रेल किराये में 50% की छूट।
5. यह छूट रेलवे के किसी भी श्रेणी की यात्री ट्रेनों जैसे मेल/एक्सप्रेस/राजधानी/शताब्दी/जनशताब्दी/दुरंतो में उपलब्ध होगी।
6. रेलवे आरक्षण या सभी सामान्य टिकट बनाते समय किसी आयु प्रमाण की आवश्यकता नहीं है।
7. हालांकि, ट्रेन से यात्रा करते समय रेलवे टिकट जांच (टीसी) के मामले में उम्र के प्रमाण के रूप में पैन कार्ड, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस या फोटो युक्त पहचान पत्र जो सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त पत्र है, दिखाना अनिवार्य है।
8. वरिष्ठ नागरिक अपने रेलवे टिकट किसी भी टिकट/आरक्षण कार्यालय से या इंटरनेट के माध्यम से खरीद सकते हैं।
9. रेलवे में यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) में वरिष्ठ नागरिकों, गर्भवती महिलाओं और 45 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को स्लीपर क्लास में 6 बर्थ और एसी-3, एसी-2 में 3 बर्थ आवंटित की जाती हैं।
10. राजधानी/दुरंतो में 4 से अधिक बर्थ आरक्षण के लिए निर्धारित है।
11. वरिष्ठ नागरिकों, बीमार यात्रियों, विकलांग यात्रियों को व्हीलचेयर नि:शुल्क प्रदान की जाती है।
12. इसके अलावा, यदि वरिष्ठ नागरिकों को गाइड (अधिकृत कुली) की आवश्यकता होती है, तो उन्हें अलग से शुल्क देना होता है।
13. रेलवे प्रशासन महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों पर बीमार, विकलांग और वरिष्ठ नागरिक यात्रियों को बैटरी चालित आधुनिक व्हीलचेयर मुफ्त उपलब्ध कराता है।
14. वरिष्ठ नागरिकों, विकलांगों और बीमार रेलवे यात्रियों के लिए आईआरसीटीसी विशेष यात्री मित्र सेवा/सेवाएं कई प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर शुरू की गई हैं।
15. रेलवे यात्री ट्रेन के प्रस्थान के बाद, यदि उपरोक्त रियायतों के लिए आरक्षित निचली बर्थ खाली हैं, तो शेष बर्थ प्रतीक्षा चार्ट में वरिष्ठ नागरिकों, विकलांग व्यक्तियों, गर्भवती महिलाओं को पहली प्राथमिकता देते हुए अन्य सभी सामान्य यात्रियों को दी जा सकती हैं। **- पत्रिका टीम**

एक दीपक प्रकृति के नाम

कार्तिक अमावस्या के दिन अंधेरी रात होती है पर उस दिन होती है **दिवाली**। दिवाली के दिन घनघोर अंधेरे को हम असंख्य दीयों को जलाकर इस जहां को रोशन करते हैं और अंधेरे को भगा देते हैं।

माना जाता है कि भगवान राम इस दिन अपना 14 वर्ष का वनवास पूरा कर अयोध्या लौटे थे तथा तब से पूरे नगर में **दीप जलाकर** उनका स्वागत किया गया था। तब से हर वर्ष दीपावली मनाई जाने लगी। दीप जलाने से तो प्रदूषण नहीं फैलता बल्कि वर्षा ऋतु के दौरान पनपे हानिकारक क्षुष्म कीट-पतंगे जलते दीपक की ओर आकर्षित होकर स्वयं नष्ट हो जाते हैं, इससे प्रकृति में सुधार आता है और इनके नष्ट होने से बीमारियां नहीं फैलती हैं।

मानव प्रकृति कुछ ऐसी है कि मानव कुछ न कुछ नया करता रहता है। मानव ने बारूद की खोज के बाद पटाखे व आतिशबाजी को दीपावली पर उसकी भव्यता बढ़ाने के लिए उपयोग में लेना प्रारम्भ कर दिया और रंग-बिरंगी आतिशबाजी व पटाखे सभी को अच्छे लगने लगे तो ये सब दीपावली का अभिन्न हिस्सा बन गये। पर इससे प्रकृति एवं उसके जीवों को कितना नुकसान पहुंचेगा इसका किसी ने आंकलन नहीं किया। वहीं प्रशासन व सरकारें भी उदासीन रही। परिणाम आपके सामने हैं, इससे प्रदूषण का स्तर बढ़ा है, बच्चे बीमार एवं वृद्धजनों के अलावा पशु-पक्षी भयभीत व परेशान होते रहे हैं।

वायु प्रदूषण के साथ ध्वनी प्रदूषण सुरक्षित सीमा 125 डेसीबल से बहुत अधिक हो जाता है। अब सरकार गाइडलाईन जारी करती है पर नियंत्रण के प्रति उदासीन रहती हैं। अनेक वर्षों से दीपावली पर दिल्ली व अन्य शहरों में प्रदूषण आमजन के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है। अस्थमा रोगी ज्यादा परेशान हो जाते हैं। लेकिन अपनी खुशी व मस्ती में लोग संवेदनहीनता की सभी हदें पार करते हुए तेज आवाज वाले पटाखे छोड़ते हैं। उनकी **''वसुदैव कुटुम्बकम''** की भावना न जाने दीपावली पर कहां चली जाती है। उधर अनेक बच्चे व लोग पटाखें से घायल होकर ईलाज के लिए अस्पताल पहुंचते हैं तथा आग लगने से जान-माल की हानि होती है।

हमारे देश में पर्यावरण मंत्रालय ने वर्ष 1917 में **''हरित दिवाली स्वस्थ दिवाली''** कार्यक्रम शुरू किया था तथा स्कूली बच्चों को इको क्लब से जोड़कर कम से कम पटाखे चलाने की शपथ दिलाई थी। आवश्यक है। इस मुहिम का विस्तार करते हुए प्रचार-प्रसार हो तथा ग्रीन पटाखे खरीदने व चलाने को प्रेरित किया जाए। वहीं पटाखा निर्माताओं एवं विक्रेताओं को भी केवल ग्रीन-पटाखे बनाने व बेचने के लिए सख्ती से पाबंद किया जाए, तब ही हमारे आसपास का वातावरण एवं प्रकृति स्वच्छ रह पायेगी।

इसलिए आईये, इस दिवाली हम सभी **''एक दीपक प्रकृति के नाम''** का जलायें और हमारे मूल कर्तव्यों का पालन करें।

- रमेश गैदर, सम्पादक

दिवाली का धन, निर्मल चित स्वस्थ तन

अपने मूल स्वरूप में बने रहना स्वास्थ्य है। किसी भी पर्व व त्यौहार पर स्वच्छता पर ध्यान दिया जाता है, कच्चा घर हो तो गोबर मिट्टी से लीप दिया जाता है पक्का घर सफेदी रंग रोगन से सम्हाला जाता है ताकि सुन्दरता व स्वच्छता का मेल रहे ठीक इसी प्रकार मन को भी प्रफुल्लित रखा जाता है व ऊर्जावान बनाया जाता है लेकिन यह तभी संभव है जब हम शारीरिक रूप से भी संतुलित हों।

त्यौहार की सार्थकता न सिर्फ चित्त की प्रसन्नता न ही शरीर की स्वच्छता न अकेला पर्यावरण की शुद्धता बल्कि इन तीनों का संतुलित संगम ही हमें त्यौहार मनाए जाने की खुशी के करीब ले जाता है।

हमारा सामाजिक परिवेश ऐसा है कि दीपावली के त्यौहार पर परिवारजन एक साथ मिलकर इसे मनाते हैं और दूर-दूर तक शुभकामनाएं व आशीर्वाद लिए व दिए जाते हैं उपहार, नए वस्त्र, सोने चांदी की खरीद ये सब रीति-रिवाज हमारे त्यौहारी उल्लास को दोगुना बढ़ा देते हैं।

एक दूसरे के सुख-दु:ख को समझना, समस्याओं का समाधान ढूंढना अपनेपन को बढ़ाता है। वैसे तो प्रत्येक पर्व चाहे सामाजिक हो या धार्मिक भाईचारे, मेलमिलाप का संदेश देता है किन्तु पांच दिन तक चलने वाला दीपावली त्यौहार अपने आप में अनूठा है।

चौदह वर्ष के वनवास के पश्चात श्रीराम का अयोध्या आगमन मृतप्राय: पड़े अयोध्यावासियों के जीवन में नये प्राण फूंकने के समान था उसके प्रतीक रूप में घर-घर घी के दीपक जलाएं गये तथा उत्सव मनाया गया। श्रीराम ने अपने छोटे भाई भरत की खातिर एक दिन भी व्यर्थ नहीं गंवाया कि कहीं भरत की कृष काया राम के विरह में प्राण ही न त्याग दे तो यह त्यौहार प्रतीक है प्रेम, प्यार, त्याग व भाईचारे का। जिस इंसान में यह प्रवृत्ति विद्यमान है उसका चित्त निर्मल, स्थिर व मन प्रसन्न रहता है।

दीपावली त्योहार पर कई लोग गलत व्यसन का भी सहारा लेते हैं जो समाज को दूषित व त्यौहार की मर्यादा को खराब करता

है इससे क्लेश बढ़ता है।

त्यौहार वही है जो स्वस्थ तन, मन व प्रसन्नचित्त होकर मनाया जाए। अत्यधिक भौतिक वस्तुओं के संग्रहण से भी मन व शरीर की दुर्बलता बढ़ती है।

जहां तक धन संग्रहण की प्रवृत्ति है इससे व्यक्ति कभी संतुष्ट नहीं होता लेकिन इस लालच पर भी कहीं न कहीं विराम आवश्यक है क्योंकि धन लिप्सा व्यक्ति को अक्सर गलत राह पर धकेल देती है जिसके परिणाम नकारात्मक होते हैं।

अभी हाल ही हमारे देश की एक महान विभूति जिन्होंने परिवार, समाज व देश को वे तमाम साधन उपलब्ध करावाएं किन्तु स्वयं के लिए कभी कुछ नहीं मांगा। एक लम्बा जीवन आत्मिक संतुष्टि के साथ जिया, उन्हें प्रत्येक जीव से प्रेम था। वे अमीर ही नहीं बल्कि गरीबों के भी मसीहा थे, जी हां वह महान व्यक्तित्त्व है **स्व. रतन टाटा**। हमें उनकी सहृदयता से सीख लेकर इस दीवाली त्याग, समर्पण के साथ घर, समाज व देश के लिए संकल्पित होकर खुशी के दीप जलाने चाहिए और प्रसन्नता की फुलझड़ियां चलानी चाहिए।

-भारती तोंदवाल

नरक चतुर्दशी

नरक चतुर्दशी को छोटी दीपावली भी कहते हैं। इसे छोटी दीपावली इसलिए कहा जाता है क्योंकि दीपावली से एक दिन पहले, रात के वक्त उसी प्रकार दीये की रोशनी से रात के तिमिर को प्रकाश पुंज से दूर भगा दिया जाता है जैसे दीपावली की रात को। इस रात दीये जलाने की प्रथा के संदर्भ में कई पौराणिक कथाएं और लोकमान्यताएं हैं। इस दिन के व्रत और पूजा के संदर्भ में एक कथा यह है रन्ति देव नामक एक पुण्यात्मा और धर्मात्मा राजा थे। उन्होंने अनजाने में भी कोई पाप नहीं किया था लेकिन जब मृत्यु का समय आया तो उनके सामने यमदूत आ खड़े हुए। यमदूत को सामने देख राजा अचंभित हुए और बोले मैंने तो कभी कोई पाप कर्म नहीं किया फिर आप लोग मुझे लेने क्यों आए हो क्योंकि आपके यहां आने का मतलब है कि मुझे नर्क जाना होगा। आप मुझ पर कृपा करें और बताएं कि मेरे किस अपराध के कारण मुझे नरक जाना पड़ रहा है। पुण्यात्मा राजा की अनुनय भरी वाणी सुनकर यमदूत ने कहा हे राजन् एक बार आपके द्वार से एक भूखा ब्राह्मण लौट गया यह उसी पापकर्म का फल है।

दूतों की इस प्रकार कहने पर राजा ने यमदूतों से कहा कि मैं आपसे विनती करता हूं कि मुझे वर्ष का और समय दे दे। यमदूतों ने राजा को एक वर्ष की मोहलत दे दी। राजा अपनी परेशानी लेकर ऋषियों के पास पहुंचा और उन्हें सब वृतान्त कहकर उनसे पूछा कि कृपया इस पाप से मुक्ति का क्या उपाय है। ऋषि बोले हे राजन् आप कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी का व्रत करें और ब्राह्मणों को भोजन करवा कर उनसे उनके प्रति हुए अपराधों के लिए क्षमा याचना करें। राजा ने वैसा ही किया जैसा ऋषियों ने उन्हें बताया। इस प्रकार राजा पाप मुक्त हुए और उन्हें विष्णु लोक में स्थान प्राप्त हुआ। उस दिन से पाप और नर्क से मुक्ति हेतु भूलोक में कार्तिक चतुर्दशी के दिन का व्रत प्रचलित है। इस दिन सूर्योदय से पूर्व उठकर तेल लगाकर और पानी में चिरचिरी के पत्ते डालकर उससे स्नान करने का बड़ा महात्मय है। स्नान के पश्चात विष्णु मंदिर और कृष्ण मंदिर में भगवान का दर्शन करना अत्यंत पुण्यदायक कहा गया है। इससे पाप कटता है और रूप सौन्दर्य की प्राप्ति होती है।

एक अन्य कथा के अनुसार : प्रागज्योतिषपुर नगर का राजा नरकासुर नामक दैत्य था। उसने अपनी शक्ति से इंद्र, वरुण, अग्नि, वायु आदि सभी देवताओं को परेशान कर दिया। वह संतों को भी त्रास देने लगा। महिलाओं पर अत्याचार करने लगा। उसने संतों आदि की 16 हजार स्त्रियों को भी बंदी बना लिया। जब उसका अत्याचार बहुत बढ़ गया तो देवता व ऋषिमुनि भगवान श्रीकृष्ण की शरण में गए। भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें नराकासुर से मुक्ति दिलाने का आश्वसान दिया। लेकिन नरकासुर को स्त्री के हाथों मरने का श्राप था इसलिए भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी पत्नी सत्यभामा को सारथी बनाया तथा उन्हीं की सहायता से नरकासुर का वध कर दिया।

इस प्रकार श्रीकृष्ण ने कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को नरकासुर का वध कर देवताओं व संतों को उसके आतंक से मुक्ति दिलाई। उसी की खुशी में दूसरे दिन अर्थात कार्तिक मास की अमावस्या को लोगों ने अपने घरों में दीए जलाए। तभी से नरक चतुर्दशी तथा दीपावली का त्योहार मनाया जाने लगा। कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को उपरोक्त कारणों से नरक चतुर्दशी, रूप चतुर्दशी और छोटी दीपावली के नाम से जाना जाता है। और इसके बाद क्रमशः दीपावली, गोवर्धन पूजा और भाई दूज मनायी जाती है।

-सीमा कुमावत (मारवाल)

प्रदीप कुमावत डिप्टी सेक्रेटरी नियुक्त

श्रीमाधोपुर के निवासी श्री प्रदीप कुमावत को राजस्थान उच्च न्यायालय में राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण का डिप्टी सेक्रेटरी (द्वितीय) के पद पर नियुक्त किया गया है। कुमावत वर्तमान में वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, खेरवाड़ा-उदयपुर के पद पर पदस्थापित थे। **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से श्री प्रदीप कुमावत को डिप्टी सेक्रेटरी बनाए जाने पर बधाई।

दीपोत्सव और सामाजिक उल्लास

दीपावली अर्थात दीपक की अवली या पंक्तियाँ। दीपक रोशनी का प्रतीक, उजाले का वाहक!!

तम को नष्ट करती दीपक की नन्ही सी लौ अपने अंदर ढेरों सकारात्मक संदेश छिपाए हुए है। लौ सदैव ऊपर की ओर उठती है। यह प्रतीक है मनुष्य को सदैव ऊर्ध्वगामी होना चाहिए अर्थात निरन्तर विकास करते रहना चाहिए। दीपक की लौ संदेश देती है कि हमें चलना है अंधकार से प्रकाश की ओर, हमें चलना है अज्ञानता से ज्ञान की ओर। दीपक की ज्योति के महत्त्व को बताता ईशा उपनिषद में लिखित, यह मन्त्र-

असतो मा सद्गमय
तमसो मा ज्योतिर्गमय
मृत्योर्मा अमृतं गमय

हे ईश्वर, मुझे असत्य से सत्य की ओर, अंधकार से प्रकाश की ओर और मृत्यु से अमरता की ओर ले चलो। इसी प्रकार दीपक प्रज्ज्वलित करते समय बोले जाने वाला यह मंत्र -

शुभं करोति कल्याणमारोग्यं धनसंपदा ।
शत्रुबुद्धिविनाशाय दीपज्योतिर्नमोऽस्तुते ॥

अर्थात दीपक के प्रकाश को मैं नमन करता हूं जो वातावरण में शुभता, स्वास्थ्य और समृद्धि लाता है। जो वातावरण और मन से अनैतिक भावनाओं व नकात्मक शक्ति को नष्ट करता है। इस दीपक को जलाने से सभी शत्रुभाव की बुद्धि का नाश हों। दोनों ही श्लोक हमारे सनातन धर्म में दीपक के महत्व को उजागर करते हैं।

दीपावली एक तरफ जहाँ रोशनी के इन प्यारे-प्यारे दूतों से सम्बन्धित हैं वही यह त्योहार हमारे कृषि आधारित अर्थव्यवस्था और सामाजिक उल्लास से भी जुड़ा हुआ है।

दरअसल भारत एक कृषि प्रधान देश रहा है इसलिए शुरू से ही यहां फसलों के लिहाज से ही त्योहार मनाए जाते रहे हैं। उष्ण कटिबंधीय देश होने के कारण यहां मुख्यतौर पर दो ही फसलें खास होती रही हैं रबी और खरीफ। रबी मार्च से कटनी शुरू होती है और खरीफ सितंबर मध्य से। चूंकि यहां धान मुख्य फसल है और धान ही खरीफ का आधार है इसलिए किसान के पास पैसा धान की फसल आने के बाद ही आता है। धान अब तक कट चुका होता है और किसान के पास खर्च करने को पैसा आ जाता है। किसान को भी महाजन पैसा तब ही देता है जब धान वो घर पर ले आता है। यह धान का पर्व है इसे धन-धान्य का पर्व भी इसीलिए कहते हैं। दीपावली में ज्वार के फूले और धान की खील खास तौर पर देवी लक्ष्मी को अर्पित की जाती है। पूरे भारत में इसे खूब धूमधाम से मनाते हैं। जब किसान के पास पैसा आएगा तब ही वह उल्लासित हो पाएगा। त्योहार इसी लिहाज से मनाए जाते रहे हैं। पूरे भारत की अर्थ व्यवस्था भी त्योहारी सीजन के आधार पर ही चलती रही है। आज भले ही अर्थव्यवस्था में तकनीक और कल कारखाने महत्वपूर्ण हो गए हैं लेकिन अभी भी रीढ़ कृषि ही है। यूं भी भारत में निर्यात ज्यादातर कृषि उपजों का ही होता है इसलिए उपभोक्ता भी कृषि उपज के घटने-बढ़ने के आधार पर ही खरीदारी कर पाता है।

आप देखिए कि हर साल दीपावली के बाद जो आंकड़े आते हैं उनसे पता चलता है कि कार की बिक्री पिछले साल की तुलना में दो फीसदी बढ़ी। जाहिर है यह सारा खेल कृषि उपजों का है। गन्ना दीपावली के कुछ पहले से कटना शुरू होता है और होली अंत तक चला करता है। यानी गन्ने की फसल का असली मजा दीपावली से होली के बीच का है। यही हमारे यहां आने वाले धन का आधार है। यहां तक कि शहरी कामगार वर्गों को भी कृषि उपज के आधार पर ही वेतन मानक तय होता है। चाहे वह केंद्रीय कर्मचारियों को मिलने वाला बोनस हो अथवा उनके वेतन संस्तुतियां। यही वेतनवृद्धि और बोनस उनकी खरीदारी का जरिया बनता है। पूरे साल लोग इंतजार करते हैं कि कब बोनस मिले और वे अतिरिक्त खरीदारी करें। दीपावली इस खरीदारी का बहाना बन जाती है। इस प्रकार हम देखते हैं कि दीपावली अर्थव्यवस्था को मजबूती देने वाला त्यौहार भी है।

रोशनी के इस त्योहार का जितना धार्मिक महत्व है उतना ही अधिक यह उल्लास का भी पर्व है। इस दिन पूरे देश में जितनी खरीदारी होती है उतनी शायद किसी भी त्योहार में नहीं। गरीब से गरीब आदमी भी दीपावली में बर्तन से लेकर कपड़े, गहने, घर व गाड़ी सब खरीद लेना चाहते हैं। इसीलिए व्यापारी इसे त्योहारी सीजन भी कहते हैं। आप पाएंगे कि अधिकतर छूट या डील दूकानदार इसी सीजन में चलाते हैं। सारे नये काम और शादी विवाह का मौसम भी यही है। इसीलिए भी दीपावली का महत्व अधिक है।

अत: सभी को मनमुटाव मिटा कर खूब हर्षोल्लास से दीपावली का पर्व सपरिवार मनाना चाहिए।

सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं !!

हिन्दी साहित्य के महान कवि अज्ञेय जी की यह प्रसिद्ध कविता दीपोत्सव को समर्पित -

यह दीप अकेला, स्नेह भरा
है गर्व भरा मदमाता,
इसको भी पंक्ति को दे दो।
यह मधु है , स्वयं काल की मौन का युग संचय
यह गोरस जीवन कामधेनु का अमृत-पूत पय,
यह अंकुर फोड़ धरा को रवि को तकना निर्भय,
यह प्रकृत, स्वयंभू, ब्रह्म, अयुत
इसको भी शक्ति को दे दो।
यह दीप अकेला, स्नेह भरा
है गर्व भरा मदमाता,
इसको भी पंक्ति को दे दो।

- डॉ प्रिया मारवाल, असिस्टेंट प्रोफेसर

श्री नवरतन कुमावत (राजोरिया)

जब वैष्णो देवी का ध्यान आता है तो श्री नवरतन राजोरिया की याद स्मृति पटल पर स्वाभाविक ही आ जाती है जो वर्ष 1986 से लगातार जयपुर से वैष्णोदेवी एवं शिवखोड़ी (जम्मू-कश्मीर) तक प्रतिवर्ष लगभग 900 किमी. पैदल यात्रा करते हैं। एक साक्षात्कार में श्री नवरतन राजोरिया से इस बारे में विस्तृत बातचीत हुई। उन्होंने बताया कि वर्ष 1986 में उन्हें ज्ञात हुआ कि जयपुर से कुछ यात्री पैदल वैष्णो देवी जाते हैं। उनमें भी पदयात्रा में जाने की इच्छा जागृत हुई, मन कहता था, **''चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है।''** चंचल के भजन के ये वाक्य बार-बार ध्यान में आते थे। इसके बाद ये पता करके श्री बी.पी. शर्मा पदयात्री वैष्णो देवी से मिले और यात्रा में साथ लेकर चलने का आग्रह किया। माँ की कृपा हुई और उनका आग्रह स्वीकार हुआ तथा जयपुर से 5 यात्रियों का समूह माँ वैष्णो देवी के लिए पैदल चल दिया जिसमें श्री राजोरिया भी थे। राजस्थान से हरियाणा, पंजाब होता हुआ यह दल वैष्णो देवी (जम्मू-कश्मीर) में 27 दिनों में पहुँचा। मार्ग में अनेक शहरों के लोगों से सम्पर्क में आये और उनसे व उनकी संस्कृति, बोलचाल, व्यवहार तथा यात्रियों के लिए सेवाभाव आदि सीखने को मिला। जम्मू-कश्मीर की सुरम्य वादियों के बीच होते हुए शिवखोड़ी भी पैदल जाकर दर्शन करने का सौभाग्य मिला। ये वादियां और दोनों पावन स्थल, व्यक्ति को बार-बार आने को आकर्षित करते हैं।

अब उन्होंने अपनी बात बताई कि ''तब मेरा स्वभाव काफी गर्म हुआ करता था, इसे शायद प. बी.पी. शर्मा ने पहचान लिया। उन्होंने कहा कि बेटा कि आप माताजी के रास्ते पर चलो और शीतल रहो, एक दिन आपको दुनिया जानेगी और सम्मान पाआगे।'' धीरे-धीरे इनके मन व स्वभाव में परिवर्तन होने लगा और शीतलता भी आती गयी।

वर्ष 2024 में इन्होंने 34वीं पदयात्रा की और हर वर्ष की भांती इनके नेतृत्व में इस बार 70 यात्रियों का दल वैष्णो देवी गया। वहां से लौटने के बाद 8 सितम्बर, 2024 को माता का भण्डारा जयपुर में किया।

इनकी पदयात्रा में 25 वर्ष पहले 350 यात्री भी साथ गये हुए हैं। किन्तु धीरे-धीरे जयपुर से इनकी यात्रा से निकलकर 10 यात्राएं जाने लगी हैं। वे बताते हैं कि पदयात्रियों के सामान को रखने तथा खाना बनाने के सामान के लिए ट्रक की व्यवस्था होती है। यात्रा में चाय, नाश्ता व खाने की व्यवस्था वे स्वयं देखते हैं तथा अनेक स्थानों पर लोग भण्डारा संचालित करते हैं वहां भी प्रसाद ग्रहण करते हैं। इसके अलावा चिकित्सा व्यवस्था भी रखी जाती है। प्रशासन व पुलिस का मार्ग में पूरा सहयोग मिलता है। यात्रा के संस्मरणों में बताया कि एक बार पंजाब में आतंकवादियों से भी सामना हुआ पर उन्होंने कोई नुकसान नहीं पहुंचाया। पठानकोट में एक यात्री नहर में नहाते हुए बह गया जिसे बचाया। एक बार कटरा (जम्मू) में बाढ़ में फंस गये तो पुलिस ने रेलवे ट्रेक पर से केवल पदयात्रियों को निकाला। मार्ग में एक-आध बार लोग दुर्घटनाग्रस्त हुए, घायलों का मार्ग के अस्पतालों में ईलाज कराया गया। अनेक यात्रियों की मनोकामनाएं माता ने पूरी की और उन्हें संतान प्राप्ति हुई है। अनेक यात्री दुव्यसनों के आदि थे जिन्होंने ये सब त्यागकर सात्विक जीवन एवं माता की भक्ति व सेवा को अपना लिया। ।। जय माता दी।। **-सम्पादक**

पाठक प्रतिक्रिया

खिलाडियों का सम्मान एवं खेल विशेषांक का विमोचन

समाज की प्रतिभाओं को इस प्रकार के कार्यक्रमों द्वारा प्रोत्साहित करना व आने वाली समाज की युवा पीढ़ी को प्रोत्साहन मिलना। इस प्रकार के सामाजिक प्रोग्राम की मैं तहे दिल से प्रशंसा करता हूं। और धन्यवाद देता हूं प्रोग्राम आयोजको को।

-श्रीचंद खुडिया

इतने सुन्दर आयोजन और खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन के लिए हार्दिक धन्यवाद के पात्र हैं आप और आपकी टीम।

-डा. पी एस कुमावत

सम्पादक साहब आपके सानिध्य में 'कुमावत इंडिया' के सात वर्ष पूर्ण होने पर खेल विशेषांक का विमोचन एवं खिलाडियों का सम्मान समारोह का आयोजन बेहद शानदार तरीके से किया गया जो वास्तव में तारीफे काबिल था। **-रवि कुमावत**

कुमावत प्रगति ट्रस्ट द्वारा निरंतर सात वर्षों से प्रकाशित की जा रही मासिक पत्रिका 'कुमावत इंडिया' ने समाज के बच्चों एवं युवाओं का मनोबल बढाने के साथ-साथ उन्हें भविष्य के लिए सटीक प्रेरणा देने का भी कार्य किया है जिससे उनके परिवार तथा समाज को प्रगति प्राप्त हुई है। इस अवसर पर प्रकाशित खेल विशेषांक ने सभी प्रतिभावान खिलाडियों को राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया है साथ ही उन्हें सम्मानित कर उनके उत्साह एवं मनोबल में बढोतरी की है। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के सफल सात वर्षों की यात्रा एवं इस अवसर पर आयोजित उर्जावान कार्यक्रम के लिए कुमावत प्रगति ट्रस्ट को बहुत बहुत बधाई एवं शुभकामनाएँ ।

डॉ. (सी.ए.) अनूप कुमावत विभागाध्यक्ष (ABST)

सर्दियों के बाल रोगों की पहचान करें और उनसे बचिए

सर्दी का मौसम आ गया है, और इसके साथ ही ठंड और फ्लू का मौसम भी। इस समय डॉक्टरों के कार्यालय, आपातकालीन कक्ष, और अस्पताल बच्चों से भरे होते हैं, जबकि हम सभी अपने परिवार के सदस्यों को स्वस्थ रखने की कोशिश कर रहे होते हैं। यहां कुछ सामान्य सर्दियों की बीमारियों की जानकारी और इस सर्दी में अपने परिवार को स्वस्थ रखने के लिए कुछ सुझाव दिए गए हैं।

सामान्य जुकाम – जुकाम एक वायरल संक्रमण है, जिसे नाक का बहना या रुकावट, गले में खराश, खांसी, या सिरदर्द के लक्षणों द्वारा पहचाना जा सकता है। बच्चों में अक्सर बीमारी के प्रारंभ में हल्का बुखार भी होता है। जुकाम कई प्रकार के वायरस द्वारा होता है और सालभर हो सकता है, हालाँकि यह सर्दी के महीनों में सबसे अधिक होता है। अधिकांश जुकाम 3-5 दिन में बिगड़ते हैं और फिर 7-10 दिनों में लक्षण पूरी तरह से ठीक हो जाते हैं। एक बच्चा अक्सर साल में 10 या उससे अधिक जुकाम का सामना कर सकता है। इस बीमारी के लिए कुछ घरेलू उपचार प्रभावी हो सकते हैं।

आरएसवी/ब्रोंकियोलाइटिस – ब्रोंकियोलाइटिस एक सामान्य वायरल श्वसन संक्रमण है, जो मुख्य रूप से 12 महीने से छोटे बच्चों में देखा जाता है। इसके लक्षणों में नाक की रुकावट, खांसी, हल्का बुखार, और खांसते समय आवाज आना शामिल है। आरएसवी (रेस्पिरेटरी साइनसियल वायरस) इस बीमारी का एक सामान्य कारण है। यह अक्सर सामान्य जुकाम के समान शुरू होता है और फिर गंभीर बीमारी में विकसित हो सकता है, जिसमें सांस लेने में कठिनाई और निर्जलीकरण शामिल है। अधिकांश बच्चे घर पर ठीक हो जाते हैं, लेकिन कुछ बच्चों को सांस लेने में समस्याओं या निर्जलीकरण के कारण अस्पताल में भर्ती करने की आवश्यकता हो सकती है। इस बीमारी के बाद खांसी दो सप्ताह या उससे अधिक समय तक चल सकती है।

इन्फ्लूएंजा (फ्लू) – इन्फ्लूएंजा को सामान्यत: 'फ्लू' कहा जाता है। यह आमतौर पर तेज बुखार, खांसी, गले में खराश, सिरदर्द, और मांसपेशियों में दर्द के साथ अचानक शुरू होता है। बुखार अक्सर 5 दिन तक रहता है। फ्लू से लड़ने के लिए कुछ एंटीवायरल दवाएं उपलब्ध हैं; हालाँकि, ये दवाएं बीमारी की अवधि को केवल 1-2 दिन काम करती हैं और इन्हें तुरंत शुरू करना आवश्यक है। सामान्यत:, इन दवाओं की सिफारिश केवल उन बच्चों के लिए की जाती है जो फ्लू से गंभीर जटिलताओं या अस्पताल में भर्ती होने के जोखिम में हैं। इस बीमारी से बचने के लिए हर किसी को वार्षिक फ्लू टीका लगवाना सबसे अच्छा तरीका है।

क्रूप- क्रूप अक्सर रात के बीच अचानक शुरू होता है। आपको अपने बच्चे को जोर से खांसते हुए सुनाई दे सकता है। क्रूप की खांसी को अक्सर 'भौंकने' या 'सील की तरह' वर्णित किया जाता है। आपका बच्चा सांस लेते समय उच्च-पिच की आवाज़ भी निकाल सकता है, जिसे चिकित्सक स्ट्रिडर कहते हैं। हल्की और मध्यम खांसी वाले बच्चों को अक्सर घर पर सहायता दी जा सकती है। अक्सर, क्रूप के लक्षण ठंडी सूखी हवा (अपने बच्चे को अच्छे से लपेटकर बाहर ले जाना) या गर्म आर्द्र हवा (बाथरूम में भाप उत्पन्न करना) से बेहतर हो जाते हैं। यदि खांसी मध्यम से गंभीर है या सांस लेने में कठिनाई हो रही है, तो क्रूप अक्सर मध्य रात में आपातकालीन कक्ष में जाने की आवश्यकता बना सकता है। सौभाग्य से, क्रूप का आमतौर पर आपातकालीन कक्ष में भाप और स्टेरॉइड्स के उपचार से आसानी से इलाज किया जा सकता है।

न्यूमोनिया – अन्य सामान्य सर्दियों की बीमारियों के विपरीत, न्यूमोनिया अक्सर बैक्टीरियल संक्रमण के कारण होता है। यह कई विभिन्न तरीकों से प्रकट हो सकता है। कभी-कभी यह एक जुकाम के रूप में शुरू होता है जो केवल बढ़ता जाता है, अन्य बार यह प्रतीत होता है कि आपका बच्चा शुरू में ठीक हो रहा था, लेकिन अचानक फिर से खराब हो जाता है। यदि आपके बच्चे को कई दिनों से जुकाम है और अचानक उच्च बुखार और खांसी में वृद्धि होती है, तो यह न्यूमोनिया का संकेत हो सकता है, और आपको अपने बच्चे का मूल्यांकन कराने के लिए जाना चाहिए। जब भी आपको लगे कि आपके बच्चे को सांस लेने में कठिनाई हो रही है, आपको तुरंत चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए। अधिकांश मामलों में, न्यूमोनिया का उपचार बाह्य रोगी के आधार पर एंटीबायोटिक्स के साथ किया जा सकता है, लेकिन गंभीर मामलों में कुछ बच्चों को अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता हो सकती है।

स्ट्रेप गला – स्ट्रेप गला आमतौर पर स्कूल-आयु के बच्चों में देखा जाता है। बच्चे अक्सर गले में खराश, सिरदर्द, और पेट में दर्द के साथ पेश होते हैं। कुछ बच्चों को उच्च बुखार हो सकता है या वे उल्टी कर सकते हैं। स्ट्रेप गला सामान्यत: जुकाम के लक्षण या खांसी का कारण नहीं बनता है। इसे आमतौर पर एंटीबायोटिक्स से आसानी से इलाज किया जा सकता है, और स्ट्रेप गले वाले बच्चों का उपचार करना महत्वपूर्ण है ताकि इस संक्रमण के बाद जटिलताओं से बचा जा सके। बच्चों को स्कूल और अन्य गतिविधियों से तब तक घर पर रहना चाहिए जब तक कि वे एंटीबायोटिक्स पर 24 घंटे नहीं रहे।

स्वस्थ रहने के सुझाव – सर्दियों के महीनों में बच्चों को स्वस्थ रखना और डॉक्टर के पास कम जाना एक चुनौती हो सकता

है। अपने बच्चों को अच्छे हाथों की स्वच्छता सिखाएं और खांसी या छींकते समय अपने मुंह को (कोहनी से) ढकना सिखाएं। यदि आपके घर में छोटे बच्चे हैं, तो भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में जाने से बचे तथा बीमार व्यक्तियों से मिलने से बचें। यदि आपका बच्चा बीमार है, तो कृपया उन्हें स्कूल या डेकेयर भेजने के बजाए घर पर रखें ताकि आप बीमारी को अन्य बच्चों में फैलने से रोक सके। आमतौर पर, आपका बच्चा 24 घंटे तक बुखार से मुक्त रहने के बाद और जब लक्षण सामान्य रूप से सुधार रहे हों, तब स्कूल लौट सकता है।

- डॉ पवन कुमार बासनीवाल

ज्ञान और कर्म

मनुष्य जन्म से अज्ञानी होता है किन्तु निर्दोष और सरल भी होता है। ज्ञान को तो अर्जित करना होता है। यहाँ ज्ञान और जानकारी का भेद समझना आवश्यक है। सामान्य जीवन से जुडी सूचनाओं को जानकारी कहा जा सकता है। ज्ञान व्यक्ति की बुध्दि के उत्कर्ष का प्रतीक है, तथ्यों और सूचनाओं के विश्लेषण और मूल्यांकन करने का कौशल है। मानव जीवन के चार तत्व है: शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा। इनमें शरीर मन से जुडी बातें जानकारी कही जा सकती है और बुद्धि एवं आत्मा से सम्बद्ध और सृजित भाव और विचार ज्ञान कहे जा सकते है। ज्ञान प्राप्त करने के लियें ज्ञानार्जन के लिये, अध्ययन, साधना, संत्सग, मनन और चिन्तन करने की आवश्यकता होती है। ज्ञान यदि नकारात्मक है तो वह दोषपूर्ण है क्यों कि वह असत् और कुमार्ग की ओर ले जाता है। अत: ज्ञान सद्ज्ञान हो वही श्रेयस्कर है और वही व्यक्ति को सन्मार्ग पर ले जाकर उसे सुख और शान्ति प्रदान कर सकता है। ज्ञान शब्द बहुत गूढ है। किन्तु हम जैसे सामान्य और साधारण प्राणियों के लिये इसका यही अर्थ पर्याप्त है कि ज्ञान स्वयं को पहचानना और अपने चारों ओर जो चराचर जगत् है, प्रकृति है, उसे जानना, समझना और उसके साथ तादात्म्य स्थापित करना है। हम सब कुछ तो नहीं जान सकते किन्तु जितना अधिक जान सकते हैं उसे जानने का प्रयास अवश्य करें। निष्ठापूर्ण और गंभीर प्रयास ही मानवीय कर्म है, मनुष्य का श्रेष्ठ कर्त्तव्य है। सप्रयास ही मनुष्य का मूल कर्म है और यह कर्म ही उसका धर्म है। कर्म और धर्म दोनों एक दूसरे के पूरक है और पूरक ही नहीं पर्याय भी है। कर्म का फल खोजना या पाना हमारा धर्म नहीं है क्यों कि कर्म का मर्म कर्त्तव्य में है, उस क्रिया में समाहित है जिसे हमें करना है या हम करते है। फल पाना या फल की आशा-अपेक्षा करना हमारा अभिष्ट नहीं होना चाहिये क्योंकि वह तो विधाता का प्रसाद है जो उसी की इच्छा पर निर्भर है, तभी तो भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में कहा **कर्मण्ये वाधिकारस्ते मा: फलेषु कदाचन: ।**

कर्म का फल इस बात पर निर्भर करता है कि इसमें ज्ञान और अज्ञान का कितना उपयोग किया गया है? कर्म का उद्देश्य क्या है? कर्म अनायास हुआ अथवा विचारपूर्वक किया गया है? कर्म निष्ठा सहित किया गया है अथवा नहीं? कर्म स्वार्थ की भावना से किया गया है अथवा नि:स्वार्थ मन से? गीता में कृष्ण कहते हैं कि जीवन ज्ञान एवं कर्म का संतुलन है। जब ज्ञानयुक्त कर्म किया जाता है अथवा यह कहें कि जब कर्म ज्ञान सृजित होता है, ज्ञानाधारित होता है, जब यह ज्ञान, ज्ञाता और ज्ञेय तीनों ही को ध्यान में रखकर किया जाता है तब यह सत्कर्म कहलाता है, धर्म का रूप ले लेता है। यहाँ आकर कर्म धर्म का पर्यायवाची बन जाता है।

कर्म का शत्रु है आलस्य और ज्ञान का शत्रु है अहंकार। आलस्य व्यक्ति को निश्चेष्ट बना देता है। उसे अपना कर्म करने ही नहीं देता। व्यक्ति की अकर्मण्यता उसके प्रयास और प्रगति पर विराम लगा देती है। उसकी क्रियाशीलता को कुंठित कर देती है। अत: व्यक्ति को आलस्य से सावधान रहना चाहिये और इससे दूर रहना चाहिये।

अहंकार के कारण व्यक्ति विवेकशून्य हो जाता है और वह सही-गलत, उचित-अनुचित, पाप-पुण्य आदि में भेद नहीं कर पाता। अहंकार मनुष्य को सर्वनाश की ओर ले जाता है। इसलिये कहा गया है कि अहंकार और प्रमाद मनुष्य के सबसे प्रबल शत्रु है। अत: इनसे मुक्ति पाने में ही गति है और गति ही तो प्रगति का मूलाधार है, प्रकृति का गुण है और यही मनुष्य का स्वप्न, उसकी अभिलाषा और आकांक्षा है जिसे पाने में मानवमात्र अहर्निश संलिप्त रहता है। प्रगति के मार्ग में अनेक बाधाएं आती है किन्तु धैर्य, आत्मविश्वास और निर्लिप्त, निर्विकार, निष्काम भाव से ज्ञान का अवलम्बन करते हुए आलस्य और अहंकार से बचते हुए कर्म करने से ही हमारे जीवन के लक्ष्य की प्राप्ति सम्भव है और यही मानवमात्र का अभिष्ट है। यही उसका वांछित गंतव्य है। आइये, हम ज्ञान के इस सरल स्वाभाविक रुप को समझें और धारण करे इसे अपने जीवन में, शुभेच्छा, शुभ कर्मों और शुभ संकल्पों के माध्यम से।

- वेद प्रकाश आर्य

जयेश बने पायलेट

जयेश कुमावत निवासी तहसील शिव, जिला बाड़मेर पायलेट बने है। जयेश ने महाराष्ट्र से पायलेट का कोर्स किया है। इनके पिता फर्नीचर का काम करते है।

श्री जयेश कुमावत के पायलेट बनने पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई।

झुर्रियां हो या सफेद बाल अनुभव का खजाना है

बढ़ती उम्र बॉयलोजिकल फैक्टर है। यह ठीक वैसे है जैसे सुबह होने के साथ दिन चढ़ता और फिर सांझ होती है। भारत में वृद्धावस्था पश्चिमी देशों की तरह नहीं है। हमारी संस्कृति में वृद्ध लोगों का समाज व परिवार में सम्मानजक स्थान है। हमारा समाज इन बुढ़ों द्वारा अपनी जवानी में किये गये परिश्रम और परिवार की परवरिश का सम्मानजनक प्रतिकार है ओर उनके अनुभव का लाभ लेने का अवसर माना जाता है। पर बदलती परिस्थितियों में अब इनका महत्व कम होता नजर आ रहा है। इसके कारण कुछ तो वे स्वयं हैं तथा कुछ युवा पीढ़ी। बूढ़ों का कहना है कि पूरी जिन्दगी हमने काम कर लिया, अब आराम का समय है। उनकी निष्क्रियता से उनका स्थान परिवार के दूसरे लोगों ने ले लिया है। वे कोई जोखिम लेना नहीं चाहते और बाहर घूमने जाने से बचते हैं। उनमें सेल्फ कान्फिडेन्स की कमी आती जा रही है। बढ़ती उम्र को बोझ मानने की प्रवृत्ति विकसित होने लगती है।

रिटायरमेंट का आशय जिन्दगी से रिटायर होना नहीं है। **वृद्धजनों के पास जिन्दगी के अनुभव की पूंजी है जो वे युवा पीढ़ी को देकर लाभान्वित कर सकते हैं।** उनके सुझाव आगे बढ़ने में मददगार हो सकते हैं। रिटायरमेंट से वो आजादी मिली है जिससे अब वे स्वच्छंद होकर पर्यटक बनकर देश-दुनिया घूम सकते हैं। अत: घूमने व धार्मिक पर्यटन का प्लान बनाना चाहिए। जब घर पर रहे तो एक्टिव रहकर घर के छोटे-छोटे काम करें, पोते-पोतियों के साथ समय बितायें, सुबह शाम घूमने जायें तथा अपनों से मिलें। स्वयं को स्वस्थ रखने के लिए हल्की एक्सरसाइज व योगा करें तथा नाश्ते में स्प्राउट्स लें, पोष्टिक व फाइबर युक्त भोजन लें एवं रात में हल्का खाना खाये। दिन में फलों का सेवन करें तथा पानी खूब पीयें। यदि कोई खराब आदतें हो तो उसे त्याग दें। इसके अलावा स्वयं के व्यक्तित्व में समझदारी और सहानुभूति विकसित करें, अपने ही विचारों पर अडिग रहने की प्रवृत्ति हो तो उसे त्याग दें, छोटों की गलतियों को क्षमा करना प्रारम्भ करें, परिवारजनों द्वारा किए कार्यों के लिए कृतज्ञता व्यक्त करें, रिश्तों की गहराई को तलाशें तथा अपनी भावनाओं पर काबू रखें।

अपने आप को वृद्ध मानकर पारिवारिक व सामाजिक जीवन से दूर न हो। आपके सफेद चमकदार बाल, बदन व चेहरे की झुर्रियां, आंखों पर चश्मा जीवन का एक हिस्सा है। आशावादी रहे तथा सक्रिय रहे। बढ़ती उम्र में चेहरे पर अलग ही नूर झलकता है जो सभी को जीने की प्रेरणा देता है। **- पत्रिका टीम**

जीवन में कैसे मिले 'खुशी'

हर कोई अपने जीवन में खुशी चाहता है। इसके लिए व्यक्ति प्रयास करता है, पर कोई इसे पाने में सफल तो कोई असफल रहता है। जीवन में खुशियां भी स्थाई नहीं रहती, पर जो इसे समय से जी लेता है वह खुशनसीब है और जिसने यह अवसर गंवा दिया वह 'निराश'। इसलिए अपना दृष्टिकोण में सकारात्मक बदलाव करके छोटी-बड़ी खुशी में खुश रहना सीखना होगा। जैसे बच्चों को टॉफी या चॉकलेट मिल जाए तो वे खुश हो जाते हैं इसी प्रकार बाहर खेलने में उन्हें खुशी मिलती है। युवाओं को फिल्म देखने और दोस्तों से मिलकर खुशी मिलती है। महिलाओं को गिफ्ट, साड़ियां व ज्वैलरी मिल जाए तो खुशी मिलती है। नौकरी पेशा को वेतन वृद्धि व पदोन्नति में खुशी मिलती है, नेताओं को चुनाव में जीतने पर, एक पति को अच्छा व मनपसंद खाने में तो व्यवसायी को लाभ में खुशी मिलती है। इस प्रकार आयु एवं वर्ग के हिसाब से खुशी के मानदण्ड अलग-अलग होते हैं।

कुछ लोगों का मानना है कि धनी होने से खुशी मिलती है पर यह सही नहीं है। एक गरीब भी खुश रह सकता है, मात्र ठीक से भरणपोषण हो जाए। अधिक धन कमाने और संचय करने से तृष्णा बढ़ती है। व्यक्ति का सुख-चेन छिन जाता है। यदि उसकी संतान गुणी नहीं तो संचित धन नष्ट कर देगी तथा उसे दु:खी होना पड़ेगा। इसलिए धन को ही सब कुछ मान लेना अन्तहीन दौड़ के कुचक्र में पड़ना है, इससे व्यक्ति जल्द थकता तो है ही वहीं आये हुए सुख के पलों का आनन्द नहीं ले पाता। जो इस प्रवृत्ति में पड़े हैं वे अपना नजरिया बदलें, स्वयं के लिए तथा वर्तमान में जीएं न कि भविष्य की चिंता में और हाँ, भूतकाल की गलतियों को भी हमें नहीं भूलना होगा, इसी से तनाव दूर होगा तथा नई सोच व नई स्फूर्ति का आगमन होगा साथ ही व्यक्तित्व में बदलाव आने लगेगा। आप अपनी दिनचर्या और आदतों को भी बदलने का प्रयास करें जिससे खुशियां मिलती रहेंगी जैसे जल्दी उठिये, घूमने जायें, हंसियें, व्यायाम व योगा करें, वापस आकर घर-परिवार के साथ चाय नाश्ता करें, अखबार में अच्छी खबरें पढ़े, स्नान के बाद पूजा करें, अपना काम स्वयं करें, कोई मदद करें तो उसे धन्यवाद दें। आप अच्छे व खुशमिजाज लोगों से मिलें, अजनबी लोगों से बातचीत करें, अपनी रुचि के अनुसार (गाना-बजाना, खेलना-पढ़ना) पर ध्यान दें। वर्ष में 1-2 बार बाहर घूमना भी खुशियों के साथ अनुभव देता है। इनका जीवन में होना जरूरी है। परिवार के सदस्यों के अच्छे कार्यों व सफलता पर प्रशंसा करना न भूलें। आप यदि सक्षम हैं तो किसी गरीब की मदद करें, इसमें खुशी मिलेगी। यदा कदा समय निकालकर गौशाला जायें और अपने हाथों से गायों को चारा खिलाएं, इसमें खुशी मिलेगी। किसी को देने का भाव हमें खुश व सुखी बनाता है। **-अमिता कुमावत**

दीपावली पर दीपोत्सव और उपाय

दीपावली हिन्दुओं का सबसे बड़ा और प्रमुख त्यौहार हैं। यह पर्व पांच दिनों तक धनतेरस से भाई दूज तक धूमधाम एवं आस्था के साथ चलता है और प्रत्येक दिन का अपना महत्व होता है। इस वर्ष कार्तिक मास की अमावस्या तिथि 31 अक्टूबर की शाम को 3:54 पर प्रारंभ हो रही है और इसकी समाप्ति अगले दिन शुक्रवार यानि कि 1 नवंबर की शाम 6:17 पर होगी इसलिए उदया तिथि के साथ ही दिनभर 1 नवंबर यानि शुक्रवार को ही अमावस्या तिथि होने के कारण इस वर्ष दीपावली का पर्व 1 नवंबर को ही मनाया जाना उपयुक्त रहेगा।

जयपुर में स्थिर लग्न में **लक्ष्मी मां की पूजा करने के समय** की बात करें तो कुंभ लग्न का प्रारंभ दोपहर 1:56 से लेकर 3:25 तक रहेगा। इसमें व्यवसायिक स्थल पर की जाने वाली पूजा का विशेष महत्व होता है। वृषभ लग्न का प्रारंभ शाम 6:29 से लेकर रात्रि 8:25 तक रहेगा। इस स्थिर लग्न में घर में की जाने वाली पूजा का विशेष महत्व माना जाता है। सिंह लग्न जो कि साधना और सिद्धि के लिए काफी श्रेष्ठ मानी जाती है उसका प्रारंभ रात्रि 1:02 से होगा और इसकी समाप्ति 3:18 पर होगी। इस प्रकार स्थिर लग्न में मां लक्ष्मी की पूजा निश्चित रूप से शुभ फल देने वाली साबित होगी।

दीपावली पर अचूक उपाय- हर कोई अमीर बनने का ख्वाब देखता है, दरिद्रता का जीवन जीना कोई नहीं चाहता है ! दीपावली का पर्व माँ लक्ष्मी का सबसे प्रिय पर्व है। लक्ष्मी जी की कृपा प्राप्त करने के लिए इससे अच्छा कोई दूसरा शुभ दिन नहीं होता है , इस भौतिक युग में सुख, समृद्धि और ऐश्वर्य बिना माँ लक्ष्मी की कृपा के संभव ही नहीं है ! हम यहाँ पर **सौभाग्य, सफलता और मनवांछित फलों की प्राप्ति के लिए कुछ बहुत ही सरल उपाय** बता रहे हैं, जिनको करने के लिए दीपावली के पाँच दिन का समय सर्वोत्तम माना गया है: -

- दीपावली के पांच पर्व होते हैं- धनतेरस, चतुर्दशी, दीपावली, गोवर्धन पूजा तथा यम दितिया! पांचों दिन चार छोटे और एक बड़ा दीपक जरूर जलाएं। दीपक रखने से पहले उनका आसन बिछाएं फिर खील, चावल कि ऊपर दीपक रखें। इससे घर में धन की सदा आमद बनी रहेगी।
- व्यापार में लक्ष्मी को प्रसन्न करके धन लाभ के लिए यह एक सिद्ध प्रयोग है- दीपावली की रात्रि को कपूर जला कर उसमे शुद्ध रोली को डाल दें , फिर जो राख प्राप्त होगी उसकी पुडिया बनाकर किसी लाल रुमाल या कपडे में बांधकर उसे तिजोरी/धन स्थान में रखने से व्यापार में आशातीत सफलता मिलती है, आय के नवीन स्रोत्र खुल जाते है। इस पर रोज धूप/अगरबत्ती दिखलाते हुए माँ लक्ष्मी से प्रार्थना जरूर करें।
- दीपावली की रात्रि में माँ लक्ष्मी पूजन के पश्चात घर के सभी कमरों घर के कोने कोने में शंख और डमरू बजाना चाहिए ऐसा करने से दरिद्रता घर से बाहर निकलती है और माँ लक्ष्मी का घर में प्रवेश होता है। दीपावली के दिन घर के मुख्य द्वार पर कुमकुम से स्वस्तिक बनायें और बासमती चावल की ढेरी बनाकर उस पर एक सुपारी में कलावा बांधकर रख दें , यह धन प्राप्ति का अचूक प्रयोग है।
- दीपावली के दिन किसी भी लक्ष्मी मंदिर में माँ को सुगन्धित धूप अगरबत्ती अर्पित कर दें ! पैकेट में से कुछ धूप / अगरबत्ती वहीं पर जला कर माँ को प्रणाम करें। दीपावली के दिन रात्रि को काले तिल परिवार के सभी सदस्यों के सर से सात बार उसार कर उसे घर के उत्तर दिशा में फेंक दें तो धन हानि बंद हो जाती है।
- माता लक्ष्मी को कौड़ी बहुत है प्रिय है। माँ लक्ष्मी की स्थाई कृपा प्राप्त करने के लिए दीपावली के दिन कौड़ियों का सुन्दर वंदनवार अपने घर के मुख्य द्वार के ऊपर अवश्य ही लगाएं और समय समय पर इसे साफ भी करते रहे। इससे उस घर पर माँ लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है।
- दीपावली के दिन अमावस्या होती है अत: अपने पूर्वजों को अवश्य याद करें, प्रात: उनका तर्पण करें और किसी वृद्ध और गरीब व्यक्ति को भोजन कराएँ या यथा शक्ति दान दें ! ऐसा करने से उस व्यक्ति को अपने पित्तरों का आशीर्वाद मिलता है और घर में सुख शांति बनी रहती है।
- दीपावली के दिन माँ लक्ष्मी की पूजा के समय माँ को सुगन्धित इत्र और केसर जरुर अर्पित करें, अगले दिन से पूरे वर्ष इस केसर का तिलक और इत्र लगाकर काम पर जाने से आर्थिक सफलता मिलती है। दीपावली के दिन विष्णु सहस्त्रनाम , लक्ष्मी सूक्त का पाठ अवश्य करें।

-डॉ योगेश, ज्योतिषाचार्य, मानसरोवर, जयपुर।
M.:8058169959

कुछ विद्वजनों की राय दिवाली 31 अक्टूबर को

कुछ विद्वानों ने जयपुर में धर्मसभा करके 31 अक्टूबर को दिवाली की पूजा करने का मत व्यक्त किया है जिनमें प्रो. रामपाल शास्त्री पूर्व ज्योतिष विभागाध्यक्ष, राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय जयपुर, डॉ. कामेश्वर उपाध्याय राष्ट्रीय महासचिव, काशी अखिल भारतीय विद्वत्परिषद्, प्रो. मोहनलाल शर्मा प्रदेश अध्यक्ष, राजस्थान अखिल भारतीय विद्वत्परिषद् सम्मिलित हैं। उनके अनुसार सम्पूर्ण भारतवर्ष में दीपावली का महापर्व इस वर्ष 31 अक्टूबर को ही मनाना शास्त्रसम्मत है। उनके अनुसार प्रदोषकाल से मध्यरात्रि व्यापिनी कार्तिकी अमावस्या लक्ष्मीपूजन करना शास्त्रसम्मत होगा।

वि/1 श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरसवा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, वैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर (स्व.)
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोड़िया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैदर, पांचावाला, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याडवाल, श्रीराम नगर, झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर
वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर
वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया), जयपुर
वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर
वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर
वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर
वि/51 श्री राजेंद्र जूनवाल, टोंक फाटक, जयपुर

विशिष्ठ संरक्षक

वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर
वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छत्तीसगढ़,
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छत्तीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बीवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, बड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुद्दीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर
वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्रल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोडिया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री दीपेश टी. मॅडावरा, जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत (एडवोकेट), बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धूंधारिया, डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द्र बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर
वि/130 श्री गोपाल लाल कुण्डलवाल, जयपुर
वि/131 श्री दामोदर लाल जलान्दरा, जयपुर
वि/132 डॉ. पी.एम. कुमावत, उज्जैन
वि/133 श्री विमल कुमावत, जयपुर
वि/134 श्री महेन्द्र सिंह, बापूनगर, जयपुर
वि/135 श्री गोपाल लाल-सीताराम, जयपुर
वि/136 श्री रुपेश मारोठिया, बरकतनगर, जयपुर
वि/137 श्री घनश्याम देवतवाल, पटेल कॉलोनी, जयपुर
वि/138 श्री लक्ष्मीनारायण सिरस्वा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/139 श्री प्रहलादराय नोखवाल, भदाल, गोविन्दगढ़
वि/140 श्री घनश्याम खाटूवाल, ढोडसर
वि/141 श्री मुकेश कारगवाल, बरकत नगर, जयपुर
वि/142 श्री कैलाश खटोड़, गजसिंहपुरा, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
वि/143 श्री संजीव कुमार वर्मा, मानसरोवर एक्स., जयपुर
वि/144 श्री रामेश्वर बम्बोरिया, पवन टॉवर, सोडाला, जयपुर
वि/145 श्री राकेश कुमावत,(आसीवाल), बनीपार्क, जयपुर
वि/146 श्री यतेन्द्र सिंह, खिरणी फाटक, जयपुर
वि/147 श्री प्रारूप कुमावत, रांकड़ी, जयपुर
वि/148 श्री शिवदयाल धुंधारिया, सीकर रोड, जयपुर
वि/149 श्री छीतरमल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/150 श्री कैलाश घोड़ावड़, सूरत
वि/151 श्री गणेश लाल कुमावत, देवी नगर, जयपुर
वि/152 श्री ओम प्रकाश वर्मा, अलथान रोड, सूरत

''कुमावत इंडिया'' पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

3 सितम्बर श्रीमती नाथी देवी पत्नी स्व. श्री भींवाराम खोरानिया निंदड़, जयपुर
4 सितम्बर श्रीमती लाली देवी पत्नी स्व. श्री रामसहाय अनावड़िया, सांगानेर, जयपुर
4 सितम्बर श्रीमती एकता कुमावत पत्नी श्री दीपक किरोड़ीवाल, जयपुर
6 सितम्बर श्री कान्हाराम होदकास्या निंदड़, जयपुर
7 सितम्बर श्री नवल किशोर रत्तीवाल, वैशाली नगर पश्चिम, जयपुर
8 सितम्बर श्रीमती शांति वर्मा पत्नी श्री रामचन्द भोड़ा, छारसा वाले, जयपुर
8 सितम्बर श्री घीसालाल कुमावत (घोड़या), स्टेशन रोड, चौमूं
10 सितम्बर श्रीमती नानगी देवी पत्नी स्व. श्री लक्ष्मीनारायण जूनवाल, टोंक फाटक, जयपुर
10 सितम्बर श्रीमती शांति देवी पत्नी स्व. श्री सालिगराम वर्मा (तांगड़ा), जयपुर
12 सितम्बर श्री विनोद कुमार वर्मा पुत्र स्व. श्री रामलाल खण्डारिया, पटेल कॉलोनी, जयपुर
13 सितम्बर श्रीमती जीवाबाई अडानिया पत्नी स्व. श्री रामरतन, पूलां, उदयपुर
13 सितम्बर श्रीमती यशोदा देवी पत्नी श्री भगवत सिंह दाहिमा, उदयपुर
14 सितम्बर श्री मोतीराम जलांधरा, नावां
19 सितम्बर श्रीमती रतनी बाई छापोला, रैवास, देवड़ा
26 सितम्बर श्रीमती शकुन्तला कुमावत पत्नी रामस्वरूप घोड़ेला, जयपुर
29 सितम्बर श्रीमती बाला देवी पत्नी महेश कुमावत, हाथोज, जयपुर
29 सितम्बर श्री लाल चन्द कुद्दीवाल, फागी, जिला दूदू
1 अक्टूबर श्री बाबूलाल जी कुमावत (दोराया), शिवसागर कॉलोनी, अजमेर
2 अक्टूबर श्रीमती कौशल्या देवी धर्मपत्नी स्व. श्री दल्लाराम बालोदिया, जयसिंहपुरा खोर, जयपुर
3 अक्टूबर श्रीमती माली देवी धर्मपत्नी स्व. श्री गोपाल लाल बारावाल, चौमू, जयपुर
3 अक्टूबर श्रीमती कमला वर्मा धर्मपत्नी श्री सत्यनारायण वर्मा (मारवाल), चौमू, जयपुर
7 अक्टूबर श्री हनुमान प्रसाद कुमावत (घोडेला), गिरिराज नगर, किशनगढ़ रेनवाल
7 अक्टूबर श्री सागर कुमावत पुत्र श्री महेन्द्र किरोडीवाल, कुमावत कॉलोनी, झोटवाडा, जयपुर
2 अक्टूबर श्रीमती कौशल्या देवी पत्नी स्व. श्री दल्लाराम बालोदिया, जयपुर
3 अक्टूबर श्रीमती कमला वर्मा धर्मपत्नी श्री सत्यनारायण मारवाल, चौमूं
8 अक्टूबर श्री विपीन कुमावत, चित्रगुप्त नगर, ईमलीवाला फाटक, जयपुर
8 अक्टूबर श्रीमती प्रेम देवी पत्नी स्व. श्री प्रेम चन्द गैदर, टोंक फाटक, जयपुर
9 अक्टूबर श्री दीपांशु कुमावत (दीपू) पुत्र स्व. श्री हनुमान सहाय, पड़लाया, निवारू, जयपुर
9 अक्टूबर श्री गोपालाल कुमावत (नेताजी) कंडेरीवाल, सोडाला, जयपुर
14 अक्टूबर श्री सीताराम (सत्यनारायण) बारावाल, चौमूं
15 अक्टूबर श्रीमती बिरधी देवी पत्नी श्री चौथमल कुमावत गैदर, मान्यावास, जयपुर

विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची

युवक

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नंबर	
नीतेश	B.Com.	Pvt. Ltd.	14.1.91	5'8''	मामोडिया	कुद्दीवाल	किरोड़ीवाल	राणोलिया	9314802397	जयपुर
रवि कुमार	M.A. BEd.	Pvt. Job.	22.6.94	5'7''	खोराणिया	मनेठिया	कोलकरिया	धीजपुरिया	9214614692	शाहपुरा
पुष्पेन्द्र	M.Com.	Accoimts Execitive	9.02.96	5'8''	कुद्दीवाल	दौराया	पड़लाया	तांगड़ा	9672119776	जयपुर
नितिन	LLB,DLL	Teacher & advocate	06.1.97	5'8''	देवरथ	गढ़वाल	होदकास्या	खोवाल	7219912409	जयपुर
दीपक	D.Pharmecy.	Self Business	17.12.96	5'9''	राजोरिया	तूनवाल	घोड़ेला	कारगवाल	9462058135	सीकर
अविन	MBA (Finance)	Senior analysit NTT	23.8.98	6'0''	बैरा	बरमण्डा	किरोड़ीवाल	माचीवाल	9351154510	जयपुर
गुंजन	MBA	ManagerICICI	28.1.99	5'10''	छापोला	तुनगरिया	सिरस्वा	सिरोहिया	9660384123	जयपुर
नरेश	Diploma, MA RSCIT	Business	10.3.90	5'5''	मारोठिया	जूनवाल	होदकास्या	भूरोदिया	9352042045	जोबनेर
मोहित	B.Tech (CSE)	CCP Data EnginerP.Ltd	10.12.98	5'9''	नीमीवाल	घोड़ेला	दादरवाल	मारोठिया	8233569386	जयपुर
दीपेश	B.Com.	Genpect	13.8.95	5'8''	खाटूवाल	मोहब्बा	किरोड़ीवाल	भोरोदिया	9887419242	जयपुर
पवन	MCA	ASO (IT) Rptech	12.1.96	6'0''	कुद्दीवाल	जालवाल	मामोडिया	बधानिया	9636408061	जयपुर
दीपक(मांगलिक)	M.Com. CS	Pvt.	4.9.95	5'4''	माचीवल	देवतवाल	मारवाल	किरोड़ीवाल	9214532701	किशनगढ़
अनिल	M.Sc., Bed.,LLB	Senior	17.12.88	5'8''	गोठवाल	साड़ीवाल	बत्रा	घीया	9928696867	उदयपुर
भूपेन्द्र	B. Tech (CS)	Senior Engi. Pvt.Ltd.	7.5.96	5'10''	बबेरीवाल	सारड़ीवाल	घोड़ेला	खोवाल	7357887767	जयपुर
दीपक	B.Sc.	Musical Teacher	5.5.96	5'8''	कारगवाल	खोरानिया	तूनवाल	मारवाल	9928289544	सीकर
पुनीत	M.Com.CA	EA in Abu Dhabi	3.2.91	5'11''	राजोरिया	शिवदासानी	तूनवाल	–	9462031087	जयपुर
मोहित	B.Se.	UDC डाक विभाग	5.7.2000	-	भैरूदिया	अनावड़िया	माचीवाल	राहोरिया	7929094264	अजमेर
संदीप(मांगलिक)	B.Tech (EC)	JEN/JVVNL	23.7.97	5'8''	खोवाल	तूनवाल	मारवाल	दिलीवाल	9680416206	जयपुर

युवतियाँ

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नंबर	
चंचल	MA.Bed.	-	03.01.94	5'4''	गैदर	बारावाल	राजोरिया	मामोडिया	9829190386	जयपुर
भावना(आं. मांगलिक)	BSc., Fashion Desig. Private		18.12.90	5'2''	बबेरीवाल	सारड़ीवाल	घोड़ेला	खोवाल	9481802111	जयपुर
आरती	BA	-	30.9.2001	5'2''	मामूड्या	मणेटिया	तांगडा	मारवाल	8740948993	स.माधोपुर
रविना	M.com. RSCIT	Pvt.	12.1.97	5'3''	मारवाल	अनावड़िया	बधानिया	राहोरिया	9887231651	जयपुर
श्वेता	GNM	Fortis Hospital	13.10.94	5'3''	आसीवाल	कैक्ट्या	माचीवाल	दौराया	7737910999	जयपुर
कविता	B.Sc.	-	3.7.2000	5'4''	सिरस्वा	कुंडलवाल	सारड़ीवाल	घोड़ेला	8619101020	रेनवाल
जाह्नवी	B.Com.MBA	Makeup Artist	20.10.99	5'1''	कुसुम्बीवाल	दौराया	धुंधारिया	मारोठिया	9828547080	जयपुर
तानू	M.Com.	-	27.3.2001	5'4''	माचीवाल	नेमीवाल	अनावड़िया	बारवाल	9660230812	जयपुर
मोनिका	M.A.	-	27.10.98	5'3''	माचीवाल	नेमीवाल	अनावड़िया	बारवाल	9660230812	जयपुर
शक्री	BPT	Pvt.	17.5.2000	5'2''	तूंदवाल	नेमीवाल	बोडया	कुंडलवाल	9352183244	जयपुर
विनीता(मांगलिक)	M.A.(Geography)	Prepartion exms.	14.6.96	-	अनावड़िया	जायलवाल	बरमुडा	नेमीवाल	9462497055	जोधपुर
लवीना	10th	-	3.7.2000	5'4''	मरेठिया	जलान्दरा	बबेरीवाल	राहोरिया	8502067890	रूपनगढ़
दीपिका	M.Com, CA	Executive wipro Banglore	30.11.98	5'5''	बरमूंडा	मारवाल	तूनवाल	नेमीवाल	9098369625	सीकर
मीनाक्षी	B.Tech (IT)	Assist, LIC	25.6.93	5'4''	पारमवाल	बरूंडिया	घोड़ेला	कुण्डलवाल	9928491797	अजमेर
पायल	B.Tech (CS)	Software Engineer	31.8.2000	5'9''	कुकडवाल	दम्बीवाल	किरोड़ीवाल	माचीवाल	9829464615	पाली
अर्पिता	MA	Finance Comp.	6.11.2001	5'8''	कुण्डलवाल	नागा	जलान्दरा	राहोरिया	7296912930	ब्यावर
विधि	CS(ICSI)BBA,ICG	Pvt. Ltd. Company	12.9.98	5'7''	देवतवाल	अनावडिया	खटोड़	करोड़ीवाल	9314381123	उदयपुर
डॉ. पूजा	B.A. MS	Persuing MD	23.3.97	5'1''	खोवाल	जेठीवाल	बबेरीवाल	मारवाल	9416535732	जयपुर
सलोनी	M.Com.	-	7.11.95	5'5''	तूंदवाल	मारवाल	भोड़ीवाल	मामोड़िया	9811362547	दिल्ली
पूजा	M.A. (English)	-	3.9.98	5'2''	नागा	चोरासिया	धुंधारिया	करोड़ीवाल	8852944862	फुलेरा
राधिका(मांगलिक)	M.Com.	Bank of India	17.5.99	5'5''	नेमीवाल	ओस्तवाल	पारमवाल	धमेरिया	8238080515	अहमदाबाद
जयश्री	M.A.	Teaching	21.12.98	5'6''	धनेरिया	घोड़ेला	गुगवन	राहोरिया	9351866830	पीसांगन

नोट : 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी नि:शुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।

2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

3. उपरोक्त वैवाहिक बायोडाटा की जानकारी व्यक्तिगत, विभिन्न वैवाहिक ग्रुप एवं मीडिया के द्वारा प्राप्त हुई है।

पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर आपका संदेश, विज्ञापन समस्त भारत में पहुँचाने का एकमात्र सशक्त माध्यम "कुमावत इंडिया पत्रिका"

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिले तो क्या करें

'कुमावत इंडिया' पत्रिका प्रति माह 25 तारीख तक सदस्यों को डाक से भेजी जाती है। यदि 'कुमावत इंडिया' पत्रिका माह के अंत तक आपको नहीं मिले तो कृपया अपने क्षेत्र के पोस्टमैन अथवा पोस्ट मास्टर से इसकी शिकायत करें तथा हमें सूचित करें जिससे आपको सम्बन्धित अंक की प्रति पुन: भेजी जा सके। यदि शिकायत पर कोई कार्यवाही न हो तो कृपया इसकी सूचना 'कुमावत इंडिया' पत्रिका कार्यालय को दें या व्हाट्सएप नं. 9414554322 पर अपना नाम, पता मय पिनकोड लिखकर मैसेज करें। जिससे पत्रिका स्तर से भी सम्बन्धित पोस्ट ऑफिस को शिकायत भेजी जा सके।

सूचना

आदरणीय समाजजनों से निवेदन है कि 'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशन हेतु सामाजिक गतिविधियों के समाचार, समाज प्रतिभाओं का विवरण व लेख आदि की जानकारी पत्रिका कार्यालय या व्हाट्सएप नं. 9414554322 या e-mail:kumawatindiapatrika@gmail.com पर भिजवाने का कष्ट करें। सम्पादक मण्डल इन पर विचार करके इन्हें प्रकाशित कराने की कार्यवाही करेगा। आपसे निवेदन है कि प्रकाशनार्थ सामग्री मूल हो तथा पूर्व में कहीं प्रकाशित नहीं हुई हो।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है।

■ किसी भी लेखन सामग्री या उसके किसी भाग के लिए प्रकाशन से 2 माह बाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

सदस्यता समाप्ति सूचना

सदस्यता संख्या 5/1 से 5/23 पांच वर्षीय के सदस्यों को सूचित किया जाता है कि उसकी सदस्यता समाप्त हो गई। कृपया शीघ्र नवीनीकरण करावें।

सामाजिक संस्थाओं व ट्रस्टों को विज्ञापन में 10 प्रतिशत की छूट।

पूर्वजों की याद को संजोये रखे

'कुमावत इण्डिया' पत्रिका ने यह सुविधा दी है, समाज बन्धु अपने पूर्वज (माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी आदि) की पुण्य तिथि 1/8 पेज में मल्टीकलर में फोटो सहित, शुल्क 500 रुपए एक बारीय अथवा 4000 रु. जमा कराकर 10 वर्ष तक प्रकाशित करा सकते हैं। - सचिव

पता बदलने तथा पत्रिका नहीं मिलने पर मो. 9414554322 पर नया पता पिन कोड सहित व्हाट्सएप करें।

-: विशेष निवेदन :-

1. **शोक समाचार, तीये की बैठक के समाचारों में नाम के साथ 'कुमावत' अवश्य लगाएं। क्योंकि समान गोत्र अन्य समाजों में भी मिलते हैं।**
2. **इस पत्रिका में हाल ही में दिवंगत हुए समाजजनों की श्रद्धांजलि एक लाईन में नि:शुल्क प्रकाशित की जाती है। इस हेतु पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।**

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

जयपुर :

1. **लालकोठी बापूनगर**-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
2. **शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
3. **कुमावत कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
4. **जयपुर शहर**-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
5. **सांगानेर**-श्री भीमसिंह सिरोहिया,मालपुरा गेट मो. 9414359364
6. **मालवीय नगर**-श्री लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल, 7/218, मालवीय नगर, जयपुर मो. 9549656438
7. **22 गोदाम**-श्री चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
8. **आदर्श नगर, तिलक नगर**-श्री शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
9. **दहमी कलां, बगरू**-श्री चेनसुख बड़ीवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
10. **करधनी-कालवाड़ रोड**-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड पावर टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267
11. **टोंक फाटक**- गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम, 26 आदर्श बस्ती, मो. 8058157147
12. **ब्यावर**-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493
13. **दिल्ली**-श्री राधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580
14. **फुलेरा**-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास
15. **सोडाला** -घनश्याम फोटो लेमिनेशन एण्ड फ्रेमिंग, 31, कुमावत कॉलोनी, मो.9352070394

हेरम्ब कोशी नेशनल लेवल इंटर स्कूल कम्पीटीशन

पवन-अरुणा कुमावत प्रथम रहे

मास्टर हेरम्ब कोशी, कक्षा 7 पुत्र पवन-अरुणा कुमावत (सुपुत्री ओम प्रकाश जी कोलूगरिया, जयपुर), निवासी कोटा को ब्रेन ओ ब्रेन किड्स एकेडमी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित नेशनल लेवल इंटर स्कूल कंपीटीशन में प्रथम रहने पर गोल्ड मेडल और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

मास्टर हेरंब इससे पूर्व भी कई प्रतियोगिताओं में सम्मानित किए जा चुके हैं। संस्था प्रधान व सामाजिक स्तर पर भी उनकी इस उपलब्धि को सराहा और सम्मानित किया गया।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका इनके उज्जवल भविष्य की कामना करती हैं।

डॉ. पवन कुमार बासनीवाल सम्मानित

राजस्थान विश्वविद्यालय, हेल्थ साइंस विभाग ने 7-8 अक्टूबर 2024 को श्री बालाजी कॉलेज ऑफ फार्मेसी, जयपुर के प्रिंसीपल डॉ. पवन कुमार बसनीवाल को फार्मेसी के क्षेत्र में विशिष्ट एवं अभिनव योगदान के लिए Outstanding Principal in Pharmacy के सम्मान से नवाजा है।

डॉ. पवनकुमार बासनीवाल को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

राजस्थान बैडमिंटन चैंपियनशिप

लविन कुमावत का उत्कृष्ट प्रदर्शन

अजमेर। मास्टर लविन कुमावत पुत्र श्री मनीष घोड़ीवाल निवासी 7/218 मालवीय नगर, जयपुर ने राजस्थान बैडमिंटन एसोसिएशन के तत्वाधान में अजमेर में 11 से 15 अक्टूबर 2024 तक 11 से 13 आयु वर्ग के लड़के/लड़कियों की योनेक्स सनराइज राजस्थान राज्य सब जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप में भाग लिया।

वरिष्ठ नागरिक परिषद, मालवीय नगर, जयपुर की ओर से श्री के एल जैन, चेयरमैन, राजस्थान चेम्बर आफ कामर्स ने वरिष्ठ समाजसेवी श्री सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा) के 85 वर्ष की आयु पूरी कर लेने पर सम्मानित किया। बधाई !

एडवोकेट अरविंद कुमावत, पचार को अपर जिला एवं सेशन न्यायालय, दांतारामगढ़ में राज्य सरकार की और से पैरवी करने हेतु अपर लोक अभियोजक नियुक्त किया गया है।

सारिका नोखवाल चिड़िया गान्धी (भादरा) द्वारा राज्य स्तरीय ताइक्कांडो में गोल्ड मेडल जीतने पर बधाई।

हाडोती क्षेत्र के बूंदी में राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवा शक्ति समिति, जिला बूंदी के द्वारा भगवान राम की शोभायात्रा निकाली गई जिसमें लोकसभा स्पीकर श्री ओम बिरला, श्री निर्मल कुमावत तथा कुमावत समाज के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मोनिका कुमावत का अन्तर्राष्ट्रीय लाठी प्रतियोगिता में चयन

मोनिका कुमावत सुपुत्री श्री राजेश कुमार निवासी शिवनगर, ऐणियो का बास, झालामंड, जोधपुर का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लाठी प्रतियोगिता में चयन हुआ है। यह प्रतियोगिता थिंपू भूटान में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होगी जिसमें जिसमें संपूर्ण राजस्थान से एकमात्र महिला खिलाड़ी के तहत राज्य का प्रतिनिधित्व करेगी। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से मोनिका कुमावत को उज्ज्वल भविष्य की कामना।

दीपावली पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

Director	Managing Director	Director
Mukesh Kumawat	C.M. Kumawat	Lokesh Kumawat
93146-07695	98290-56063	97837-83123

CMT ARTS INDIA PVT LTD.

MANUFACTURER, EXPORTER, IMPORTER & WHOLESALER OF

All kind of : HANDICRAFT, GIFT AND SOUVENIR

Since 1976

Speciality :

1. Cedar Wood/ Kadamba wood with fine carving and half antique.
2. Sandalwood artifacts 3. Brass metal with turquoise work and Antique finish
4. Marble with painted & embossed art 5. Cultured marble 6. Soft stone 7. Miniature Art

Showroom :
"Sai-Villa", Plot No. 39, Mission Compound,
C-Scheme, Near Ajmer Puliya (Bridge)
Jaipur 302 001 (Raj.) Tel: +91-141-4041561

Residence :
F-31/A, Lal Bhadhur Nagar (W),
S.L. Marg, Main Road, Durgapura,
Tonk Road, Jaipur - 302018 (Raj.)

Email: cmtartsindia@gmail.com

Website : www.sandalwood.cn.com

बधाई

मास्टर लविन कुमावत

(पुत्र मनीष घोड़ीवाल) द्वारा
YONEX-SUNRISE
Rajasthan State
Badminton
Championships-2024
के 11-13 आयु वर्ग में भाग
लेकर उत्कर्ष्ट प्रदर्शन करने पर
हार्दिक बधाई

CA शशि कुमावत

Asst. Prof. (ABST)
राजकीय शाकम्भर
स्नातकोत्तर महाविद्यालय
सांभरलेक (पत्नी श्री
मनीष घोड़ीवाल) को
PhD की उपाधि मिलने
पर **हार्दिक बधाई**

शुभेच्छु

लक्ष्मीनारायण-राजकुमारी घोड़ीवाल, मनीष घोड़ीवाल,
सुरेन्द्र बाबू-प्रीति, कु. शुभी एवं शिवी एवं समस्त घोड़ीवाल परिवार
तथा ताराचन्द मारवाल-संतोष मारवाल

निवास : 7/218, मालवीय नगर, जयपुर-302017 मो. 9549656438

LAM

लक्ष्मी आभूषण मन्दिर

सोने, चाँदी, कुन्दन एवं डायमण्ड के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

विरेन्द्र सिंह 9829079497
सुरेन्द्र सिंह 9829051351
रनवीर सिंह 6360199010

☎ 0141 - 2705511
0141 - 4019497
SB-107, यूनिवर्सिटी मार्ग,
बापू नगर, जयपुर

रजि. सं. 2005/175

मास्टर भौंरीलाल वर्मा चेरिटेबल ट्रस्ट

30, नवल निकुंज, पंचवटी जेडीए कॉलोनी, गुर्जर की थड़ी, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर

स्व. मास्टर भौंरीलाल वर्मा (देवतवाल)

(14 सितम्बर 1914-24 सितम्बर 1983)

चिरस्मरणीय समाज सेवी, बहुमुखी, बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी एवं कुमावत समाज के अग्र पुरूष स्व. श्री भौंरीलाल वर्मा (मास्टरजी) की स्मृति को अक्षुण्ण बनाये रखने के लिए उनकी 110वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में 32 वां मास्टर भौंरीलाल वर्मा स्मृति व्याख्यान एवं प्रतिभा सम्मान समारोह रविवार, दिनांक 15 सितम्बर, 2024 को मालवीय नगर स्थित कुमावत क्षत्रिय समाज भवन में आयोजित किया गया। समारोह में स्वामी गिरिजानन्द जी महाराज यथार्थ गीता के प्रणेता स्वामी अडगडानन्द जी महाराज परमहंस आश्रम, सक्तेशगढ, वाराणसी, उत्तर प्रदेश के प्रमुख शिष्य ने ''श्रीमत्भागवतगीता-मानव जीवन प्रबन्धन'' विषय पर अपना व्याख्यान दिया। समारोह के प्रमुख अतिथि श्री मंगल चन्द कुमावत निदेशक सुलभ टेक्नीकल सर्विसेज प्रा. लि. एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री सुभाष चन्द्र मारोठिया सेवानिवृत्त जिला रसद अधिकारी खाद्य नागरिक विभाग, राजस्थान सरकार ने की। इस समारोह में समाज के 30 मेधावी/जरूरतमंद विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति भी उपलब्ध करायी गई। साथ ही समारोह में ट्रस्ट के वयोवृद्ध एवं संस्थापक ट्रस्टीगण को भी सम्मानित किया गया।

ट्रस्ट की प्रमुख गतिविधियां

(1) प्रतिवर्ष छात्र-छात्राओं के प्रोत्साहन हेतु विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित करना।

(2) आर्थिक दृष्टि से कमजोर एवं मेधावी छात्र-छात्राओं को अग्रिम अध्ययन हेतु छात्रवृत्ति प्रदान करना।

(3) श्रीमती लक्ष्मी स्मृति पुस्तकालय के माध्यम से छात्र-छात्राओं को पुस्तकीय सहायता करना।

(4) स्व. मास्टर जी की जयन्ती 14 सितम्बर को स्मृति व्याख्यान आयोजित करना एवं समारोह की विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कार प्रदान करना एवं छात्रवृत्ति वितरण करना।

(5) समाज सेवा एवं शैक्षणिक उन्नयन हेतु अन्य कार्यक्रमों का आयोजन।

किशोर कुमार देवतवाल
संरक्षक
मो.: 7877095052

रामजीलाल तोंदवाल
अध्यक्ष
मो.: 9828130256

रामचन्द्र वर्मा
उपाध्यक्ष
मो.: 9672750188

धीरज वर्मा
कोषाध्यक्ष
मो.: 9929442200

रविकान्त वर्मा
मंत्री
मो.: 9983314170

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

केवल महिलाओं के लिए

Hardik
beauty salon

21 सालों से कार्यरत

विशेषज्ञ : मेकअप, कराटिन, स्मूथनिंग, हेयर हाइलाइट्स, हेयर स्पा, बॉडी मसाज, थ्रेड, वैक्स , फेशियल और भी अन्य सेवाएं ब्रांडेड प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हुए इकोनॉमिक रेट्स पर उपलब्ध हैं।

संपर्क : 93515-76710

64, ग्रेटर कैलाश कॉलोनी, एपेक्स मॉल के पीछे, लालकोठी, टोंक रोड, जयपुर

TARKASHI
JEWELLERS
SINCE 1990 | JAIPUR

GOLD DIAMOND KUNDAN SILVER

10, J.DA. Shopping center, Bajaj Nagar, Jaipur

tarkashijewellers@gmail.com

Mahedra Singh
+91-9887419340

Prashant kumawat
+91-7737561581

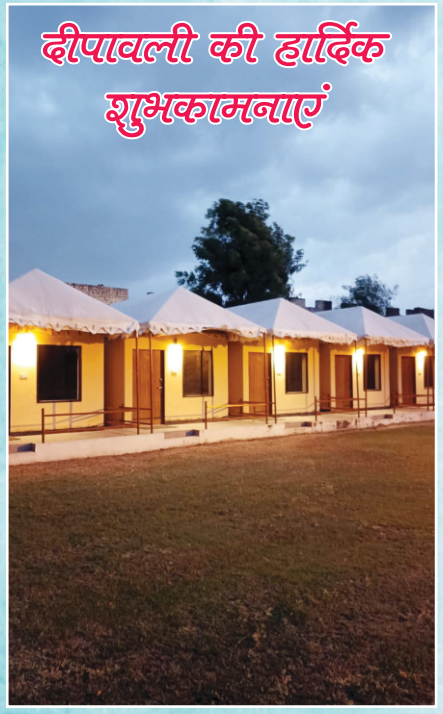

The Heritage Resorts

Jai Singhpura Road,Bhankrota, Jaipur M.: 9828606056

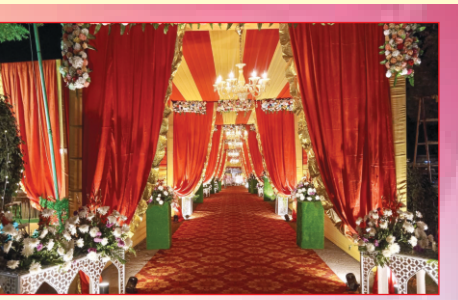

गुंजन इवेंट्स

बरकत नगर विस्तार, जयपुर

महान टैन्ट हाउस

सभी प्रकार की महफिलों, टैन्ट, लाईट डेकोरेशन
फ्लॉवर डेकोरेशन, वेडिंग एवं कार्पोरेट इवेंट
व कैटरिंग ऑर्गेनाइजर

मुकेश कुमावत (कारगवाल)

S-1, कीर्ति नगर, जैन मंदिर के पास, कमल एण्ड कम्पनी के सामने, टोंक रोड, जयपुर मो. 9828606056

SP CONSTRUCTION

Building INDIA'S Construction

SHASHI PAL KUMAWAT

B-34, Devi Chiranjivi Colony, Surya Nagar, Gopal Pura Bye Pass, Jaipur 302015

Web: spconst.co.in E-Mail: info@spconst.co.in

Shubh Laxmi Crane & Engineers

(Formally Know as Shri Laxmi Crane Service)

All India Equipments Rental Service Provider

Jai Kishan Kumawat
+91- 9829125428
+91- 9887011175

Shankar Lal Kumawat
+91- 9887227775

Mukesh Kumar Kumawat
+91- 9887337775

H.O.
Shree Heera Bhawan, Dholi Mandi
Chomu-303702 Distt. Jaipur (Rajasthan)

B.O.
Near Patwar Bhawan,Village - Kawas
Distt. Barmer - 344035 (Rajasthan)

shreelaxmicranes@gmail.com
shubhlaxmicrane@gmail.com

www : shrilaxmicrane.com

Graphic By : Art point # 9928064300

RNI - RAJHIN/2017/74285

प्रेषक: कुमावत इंडिया पत्रिका
एफ 31/ए, एस. एल. मार्ग,
लाल बहादुर नगर-प., दुर्गापुरा, जयपुर - 302018